RNI No. MPHIN/25/A4421

दैनिक दिव्य संवाद

वर्ष 01 अंक: 48 | उज्जैन गुरुवार दिनांक 26 मार्च 2026 फालगुन मास शुक्ल पक्ष अष्टमी संवत् 2083 | पृष्ठ: 8 मूल्य :02 रूपये

मौसम आज

तापमान

न्यूनतम - 18 डि.से.

अधिकतम - 36 डि.से.

न्यूज गैलरी

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने बताया, देश में 18 हजार से ज्यादा जन औषधि केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने संसद में बताया कि देशभर में 18,646 जन औषधि केंद्र हैं, जो लोगों को सस्ती कीमतों पर जेनरिक दवाएं उपलब्ध कराते हैं। राज्यसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना 2008 में यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई थी, लेकिन उन्होंने अफसोस जताया कि 2014 तक केवल 80 जनऔषधि केंद्र खोले गए थे। नड्डा ने बताया कि यह योजना मोदी सरकार के तहत बड़े पैमाने पर सफल हुई है। 28 फरवरी, 2026 तक देशभर में 18,646 जन औषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें से 2,370 जन औषधि केंद्र सरकारी अस्पतालों में खोले गए हैं, जो दवाएं ब्रांडेड दवाओं की कीमतों से लगभग 50-80 प्रतिशत सस्ती दरों पर उपलब्ध कराते हैं।

जनगणना में विमुक्त घुमंतू जनजातियों पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने विमुक्त घुमंतू जनजातियों (डीएनटी) को आगामी राष्ट्रीय जनगणना में विशिष्ट श्रेणी में रखने के दिशा-निर्देशों की मांग वाली एक जनहित याचिका की सुनवाई से इन्कार कर दिया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्या बागची की खंडपीठ ने मंगलवार को कहा कि इस विषय पर कोई भी वर्गीकरण सरकार की नीतियों के तहत आता है और इसका न्यायापालिका से संबंध नहीं है।

यह कहते हुए खंडपीठ ने याचिका को खारिज कर दिया और याचिकाकर्ता दक्षिणकुमार बंजरंगी को इस विषय को रेजिस्ट्रार जनरल और भारत के जनगणना आयुक्त के समक्ष पेश करने को कहा।

इस जनहित याचिका में विमुक्त घुमंतू जनजातियों (डीएनटी) के सदस्यों को जनगणना में विशिष्ट पहचान के साथ शामिल किए जाने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि याचिका में इन जनजातियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग नहीं की गई है।

दिव्यांग बच्चों ने केक काटने के साथ हैप्पी बर्थ डे टू यू गाकर किया मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्म दिवस पर किया एमपीटी कैफे कल्चर हाउस का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जन्म दिवस पर दिव्यांग बच्चों के साथ सुखद संवाद करते हुए रवीन्द्र भवन परिसर एमपीटी कैफे कल्चर हाउस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बच्चों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन्म दिवस का केक काटा, हैप्पी बर्थडे टू यू का गीत गाकर बधाई दी और उन्हें एक पेंटिंग भेंट की। इस अवसर पर बालिका सिहायना तिवारी ने जन्म दिवस पर कविता सुनाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। कु. सिहायना ने प्रभु श्रीराम के संघर्ष पर भी कविता पाठ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप 5 लाख रूपए और कविता पाठ करने वाली बालिका कु. सिहायना तिवारी को पृथक से 21 हजार रूपए प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। यह बच्चे बाल निकेतन और आरूषि संस्थान से जुड़े हैं। इस अवसर पर पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बच्चों से संवाद में बताया कि रवीन्द्र भवन प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है। वर्षों से इस स्थान से कलाकारों, साहित्यकारों और संस्कृति प्रेमियों का जुड़ाव रहा है। यहां सांस्कृतिक और ग्राम्य जीवन की थीम पर विकसित कैफे कल्चर हाउस प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह स्थान कला, संस्कृति और स्थानीय परंपराओं को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त मंच बनेगा। यह मध्यप्रदेश पर्यटन का एक अनूठा प्रोजेक्ट है। इसमें प्रकृति, संस्कृति और विभिन्न प्रकार के विशेष भोजन का संयोजन है। इस प्रकार की पहल न केवल पर्यटन को बढ़ावा देती हैं, बल्कि स्थानीय व्यंजनों और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रवीन्द्र भवन परिसर स्थित एमपीटी कल्चर कैफे हाउस में लगभग 85 लोगों की बैठने की क्षमता है। यह कैफे आगंतुकों को शांत और सुकून भरा वातावरण प्रदान करता है। यहां का मेन्यू प्रदेश की समृद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों की झलक प्रस्तुत करता है, जिसमें भुट्टे का कीस, श्रीअन्न को प्रोत्साहन देते हुए रागी बालूशा और कोदो अरंचिनी जैसे पारंपरिक एवं नवाचारी व्यंजन शामिल हैं। इसे एक लैंडस्केप-आधारित कैफ़े के रूप में डिज़ाइन किया गया है। हरी-भरी हरियाली और प्राकृतिक बनावटों को आधुनिक वास्तुशिल्प ढाँचे में समाहित करते हुए, यह कैफ़े रवीन्द्र भवन में आने-जाने वालों के लिए अनोखा अनुभव प्रदान करेगा। कैफे में हाथ से तराशी गई लकड़ी की बैठकों से लेकर विशेष रूप से तैयार टेराकोटा, पत्थर, लकड़ी, बांस और जूट के कलात्मक कार्य प्रदेश के सृजनकर्ताओं की सृजनशीलता को दर्शाते हैं। कैफे का इंटीरियर प्रदेश की हस्तशिल्प और कलाकृतियों से सुसज्जित है, जो भोजन के अनुभव को और भी यादगार बनाएगा। यहाँ का वातावरण %क्रिएटिव हब% के रूप में विकसित किया गया है। उद्घाटन अवसर पर पर्यटन सचिव एवं मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी, अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

पीएम सिर्फ वहीं करते हैं जो... मिडिल ईस्ट पर पीएम मोदी के बयान पर राहुल गांधी ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में दोनों सदनों के विपक्षी नेताओं राहुल गांधी तथा मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया संकट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान में किसी तरह का रणनतिक दृष्टिकोण नहीं होने का आरोप लगाते हुए उन पर सियासी निशाना साधा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ वही करते हैं जो अमेरिका तथा इजरायल करवाना चाहते हैं और वे भारत के हित के फैसले ले ही नहीं सकते।

पश्चिम एशिया युद्ध में भारत की कोई रणनीतिक भूमिका नहीं होने को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत की मौजूदा विदेश नीति प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत विदेश नीति है जिसका नतीजा सबके सामने है और हर कोई इसे एक वैश्विक मजाक मानता है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी की विदेश नीति को कॉम्प्रोमाइज्ड बताया- संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने फिर से आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति आज कॉम्प्रोमाइज्डहै क्योंकि पीएम मोदी खुद कॉम्प्रोमाइज्ड हैं।

पश्चिम एशिया युद्ध से उपजे संकट को लेकर आगाह करते हुए राहुल ने कहा कि अभी तो शुरुआत है, आने वाले दिनों में एलपीजी, पेट्रोल-डीजल, फर्टिलाइजर समेत तमाम क्षेत्रों में समस्या पैदा होंगी।

पश्चिम एशिया पर सरकार के सर्वदलीय बैठक बुलाने पर कहा कि यह ठीक है चर्चा होनी चाहिए मगर वे पहले से तय कार्यक्रम के तहत बुधवार को दिल्ली से बाहर के दौरे पर रहेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने राज्यसभा में मंगलवार को पीएम मोदी के पश्चिम एशिया पर बयान के बाद एक्स पोस्ट में कहा यह बयान बहुत देर से आया है और जवाब देने के बजाय ज्यादा सवाल खड़े करता है।

सेवा कोई अहसान नहीं, कर्तव्य है : मोहन भागवत

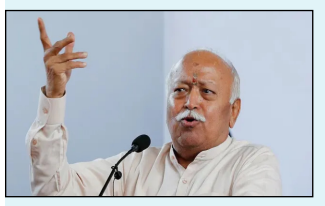

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि सेवा को अहसान नहीं, बल्कि कर्तव्य समझना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निस्स्वार्थ सेवा से मन शुद्ध होता है। वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दिवंगत पिता गंगाधरराव फडणवीस के नाम पर बने डायग्नोस्टिक सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सेवा के गहरे अर्थ को समझाते हुए कहा कि इसमें स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों के लिए काम करना शामिल है। हमारे यहां सेवा शब्द की एक अलग अवधारणा है। सेवा कोई अहसान नहीं, बल्कि कर्तव्य है। सेवा करने से हमारा मन शुद्ध होता है, क्योंकि मनुष्य का मन स्वाभाविक रूप से अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के दोषों से भरा होता है। सेवा मन को शुद्ध करती है, क्योंकि इसमें स्वयं को भूलकर दूसरों की सेवा करना शामिल है।

आरबीआई की सलाह: पश्चिम एशिया की स्थिति पर भारत रखे कड़ी नजर, तैयार रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआई ने अपने बुलेटिन में कहा है कि भारत को पश्चिम एशिया में बदलती परिस्थिति पर बारीकी से नजर रखनी होगी और उसके असर को कम करने के लिए पहले से ही कदम उठाने होंगे।

मार्च के बुलेटिन में आरबीआई ने यह भी बताया है कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से बचाने के लिए पर्याप्त है, लेकिन एक आर्थिक स्थिरीकरण कोष बनाने से वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए और ज्यादा वित्तीय सुरक्षा प्राप्त होगी।

मार्च के बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर छपे एक लेख में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए व्यापारिक समझौतों को लेकर स्थिति साफ नहीं होने से वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। लेख में चेतावनी दी गई है कि अगर युद्ध और अनिश्चितता का दौर लंबा खिंचता है, तो यह पूरे वैश्विक परिदृश्य के लिए नुकसानदायक होगा।

लेख में कहा गया है, चूंकि भारत कच्चे तेल के लिए बाहरी स्त्रोतों पर निर्भर है, इसलिए बदलती स्थिति पर बारीकी से नजर रखने और उसके बुरे असर को कम करने के लिए पहले से ही कदम उठाने की जरूरत है।

हालांकि, लेख में यह भी कहा गया है कि बाहरी झटकों को झेलने की भारतीय अर्थव्यवस्था की क्षमता और मजबूती समय के साथ बढ़ी है और इसे मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे से और भी बल मिला है। ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत धीरे-धीरे अपने कच्चे तेल के आयात के स्त्रोतों में विविधता लाया है और अपनी घरेलू रिफाइनिंग क्षमता को बढ़ाया है।

वैश्विक संकटों के बीच भारत की प्रगतिः पीएम मोदी ने बताया कैसे बन रहा विश्वसनीय साझेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वर्तमान में दुनिया जिस गंभीर स्थिति का सामना कर रही है, वह अत्यंत चिंताजनक है। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि 1.40 अरब भारतीयों के एकजुट प्रयासों की बदौलत देश हर आपदा का सामना करते हुए आगे बढ़ रहा है।

एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि युद्ध की वर्तमान परिस्थितियों में दुनिया के कई देश भारत की नीति-रणनीति और ताकत को देखकर दंग हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा- आज जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई है और उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ रहा है तो ऐसे में भारत और विश्व पर चर्चा करना अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी के बाद चुनौतियां लगातार बढ़ती गई हैं। मोदी ने कहा कि पिछले 23 दिनों में जब से पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ है, भारत ने संबंधों के निर्माण, निर्णय लेने और संकट प्रबंधन में अद्वितीय क्षमता दिखाई है।

पीएम ने कहा - ऐसे समय में जबकि दुनिया कई खेमों में बंटी हुई है, भारत ने असाधारण सेतु बनाने में सफलता हासिल की है खाड़ी देशों से लेकर पश्चिमी दुनिया तक और ग्लोबल साउथ से लेकर अपने पड़ोसियों तक। आज भारत सभी के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में खड़ा है।

आर्यन खान ड्रग्स केसः समीर वानखेड़े ने शाहरुख खान से रिश्वत मांगने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में बताया कि उन्होंने क्रूज ड्रग्स मामले में आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद अभिनेता शाह रुख खान से रिश्वत की मांग नहीं की और न ही ली।

वानखेड़े के वकील इस मामले में सीबीआई द्वारा मई 2023 में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद करने की मांग वाली याचिका पर बहस कर रहे थे। वकील ने मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ को बताया कि वानखेड़े ने शाह रुख खान से कभी रिश्वत की मांग नहीं की और न ही ली।

सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, वानखेड़े और इस मामले के अन्य आरोपितों ने कथित तौर पर अभिनेता से ड्रग्स मामले में उनके बेटे को क्लीन चिट देने के लिए 25 करोड़ रुपये की मांग की थी। हालांकि, वानखेड़े के वकील ने सोमवार को अदालत को बताया कि सीबीआई के पास यह साबित करने के लिए कोई सुबूत नहीं है कि वानखेड़े ने किसी प्रकार की रिश्वत की मांग की थी।

एनसीबी को क्रूज शिप कार्डेलिया पर कथित ड्रग्स की मौजूदगी की सूचना मिली थी। वकील ने बताया कि कानून के अनुसार, तलाशी ली गई और आर्यन खान समेत कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अमेरिका ने भारत को इंडो-पैसिफिक में बताया अनिवार्य स्तंभ, विदेश मंत्री जयशंकर की नीतियों की हुई सराहना

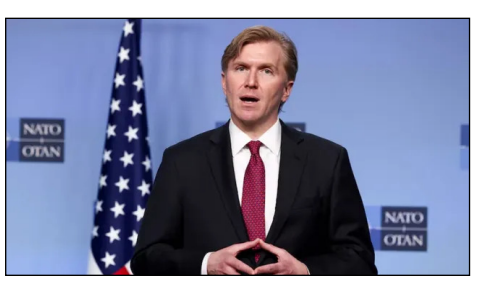

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के युद्ध विभाग के पॉलिसी अंडर सेक्रेटरी (उप रक्षा मंत्री के समकक्ष) एलब्रिज कोल्बी ने मंगलवार को दिल्ली के अनंता सेंटर में दिए अपने भाषण में भारत को इंडो-पैसिफिक में स्थिर शक्ति संतुलन का अनिवार्य और केंद्रीय भागीदार करार दिया।

एलब्रिज कोल्बी ने साफ कहा कि भारत सिर्फ एक महत्वपूर्ण साझेदार नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य को आकार देने वाली अनिवार्य शक्ति है।

कोल्बी ने की भारत की प्रशंसा- कोल्बी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर की किताब और उनके भारत फर्स्ट तथा इंडिया वे के दृष्टिकोण की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जयशंकर ने जो कहा है, वह असाधारण रूप से सही है।

कोल्बी ने जोर देकर कहा कि अमेरिका की फ्लेक्सिबल रियलिज्म और अमेरिका फर्स्ट नीति भारत की भारत फर्स्ट तथा इंडिया वे से गहराई से मेल खाती है। दोनों देश रियलिस्टिक, नेशनल इंटरेस्ट आधारित और हार्ड-हेडेड विदेश नीति में विश्वास रखते हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच कोल्बी भारत के दौरे पर हैं।

दोनों तरफ से बताया गया है कि फरवरी, 2025 में पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने को लेकर जो सहमति बनी थी, उसको लेकर ठोस नीति बनाने पर बात करने के लिए कोल्बी नई दिल्ली आए हैं।

यह भी माना जा रहा है कि पश्चिम एशिया तनाव के मद्देनजर किस तरह से भारत व अमेरिका के बीच बेहतर सामंजस्य हो, इस पर भी उनकी भारतीय अधिकारियों से बात होगी।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड पर चर्चा- कोल्बी ने यहां मंगलवार को एक कार्यक्रम में जो भाषण दिया है, उसको भी काफी दिलचस्पी से देखा जा रहा है। इस भाषण में उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत-अमेरिकी रणनीतिक सहयोग के भविष्य पर खास तौर पर प्रकाश डाला है।

कारोबार को लेकर भारत व अमेरिका के बीच पिछले साल से जारी विवाद और अन्य कई मुद्दों पर मतभेद की वजह से अभी कूटनीतिक सर्किल में यह चर्चा होती है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र अमेरिका की वरीयता में नहीं है।

डॉ. शिल्पा कोठारी द्वारा डिलेवरी के दौरान लापरवाही बरतने एवं कम अनुभव के कारण बची को गर्भ में मारने....

उज्जैन। मेरी पुत्री महक पति अभिषेक मालवीय, उम्र 23 वर्ष निवासी-आगर का उज्जैन की डॉ. शिल्पा कोठारी के द्वारा शुरू से ही ईलाज चल रहा था, मेडम के बताए अनुसार ही सब कुछ चल रहा था, 19 मार्च को तकलिफ होने पर संजीवनी हॉस्पीटल में दिखाया, तो सब कुछ नार्मल था, फिर 20 को पुनः हॉस्पीटल में चेक कराया तो भी नार्मल बताया गया।

फिर शाम को ज्यादा तकलीफ होने पर मेडम ने 8 बजे के लगभग हॉस्पिटल में एडिमिट करने को कहा, और फिर अपने हाथ में मेहंदी बनवाने के चक्कर में मेडम हॉस्पीटल में करीब 9.45 पर आई और महक से बोलती है कि तेरे कारण मुझे मेहंदी धोकर आना पड़ा, और फिर महक को चेक करके बताया की 15 मीनट में डिलेवरी हो जाएगी सब कुछ नार्मल है। फिर मेडम कुछ देर बाद आकर बोलती है कि बच्चा बाहर दिख रहा है पर महक प्रेशर नहीं लगा पा रही है आप लोग अंदर आकर उसे समझा दो, इसपर मेरी पत्नी और माताजी द्वारा महक को समझाया गया और फिर मेडम कुछ देर बाद आकर बोलती है कि बच्चे ने अंदर पोटी कर दी है ऑपरेशन करना पड़ेगा, तो हमने कहा कि जैसा आपको सही लगे आप करिए किन्तु उसके बाद भी मेडम नॉर्मल डिलेवरी कराने के जूनून में प्रयास करती रही और एक मेल अटेंडर और नर्स को बच्ची के ऊपर चढ़ाकर काफी बेरहमी से प्रेशर किया गया, बच्ची के पेट पर नाखून के निशान भी उपलब्ध है जिसका फोटो मेरे पास उपलब्ध है। ज्यादा प्रेशर और समय के कारण बच्ची की गर्भ में ही मौत हो गई थी, इसलिए डर के कारण डॉ. शिल्पा कोठारी ने कंसेन्ट लेटर पर साईन कराकर तुरंत ऑपरेशन किया और फिर बाहर आकर हमें अंदर बुलाया, जब हम अंदर गए तो एक अटेंडर पहले से ही मोबाइल का कैमरा चालू करके खड़ा था, और फिर मेडम ने बताया की हम बचें को नहीं बचा पाए। इतने में मेडम से हमारी कहासुनी हो गई लेकिन मेडम उल्टा हम पर ही ब्लेम करने लगी। और फिर मेडम हॉस्पीटल से चली गई। फिर मेडम ने डर के मारे वाट्सअप ग्रुप पर झूठा व उल्टा सिधा मैसेज डाला कि महक के अटेंडर मुझपर नार्मल डिलेवरी का दबाव बना रहे थे, और तब तक अटेंडर मानते हम बचें को खो चुके थे, मेरे साथ अभद्रता की गई आप ही बाताए मुझे इनके खिलाफ एफआईआर डालना चाहिए या नहीं।

हमारे द्वारा मैसेज देखने के बाद रात को ही माधवनगर थाने पर आवेदन के लिए हम पहुंचे जहा पर एस. आई. द्वारा हमसे बात की गई और हम लेटर लिख ही रहे थे उसी समय एस. आई. द्वारा डॉ. शिल्पा कोठारी को थाने पर बुलवा लिया गया और अंदर बैठा दिया गया और हमारा आवेदन लेकर हमें भेज दिया।

अगले दिन हॉस्पीटल में करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद हमें हमारे अनुरोध पर दूसरा डॉक्टर उपलब्ध कराया गया क्योंकि बाद में हम डॉ. शिल्पा कोठारी से ईलाज नहीं करवाना चाहते थे।

डॉ. शिल्पा कोठारी द्वारा बेरहमी से महक के बच्चें को गर्भ में मार डाला गया और बाद में बच्चें को निकालने के लिए ऑपरेशन किया गया। नॉर्मल डिलेवरी कराने का श्रेय लेने व अपनी जिद में हमारे बच्चें को मार डाला गया। पुलिस द्वारा हमारे आवेदन पर आज दिनांक तक कोई भी कार्यवाही नहीं की गई।

अतः मेरा पत्रकारों के माध्यम से जिला प्रशासन से अनुरोध है कि डॉ. शिल्पा कोठारी के खिलाफ उच्च जाँच कर उचित कानूनी कार्यवाही की जावे, इसका डॉक्टरी लायसेंस निरस्त किया जाव, इनका क्लिनिक बंद किया जावे और इनकी प्रेक्टिस पर बेन लगाया जावे। ताकि कोई ओर प्रसूता के बच्चें की मौत ना हो सके।

पीएम आवास निर्माण में पिछड़ा उज्जैन, लक्ष्य से कोसों दूर प्रगति

धीमी रफ्तार और प्रशासनिक ढिलाई से 40वें पर अटका काम, 12 जिलों के साथ रैंकिंग से बाहर हुआ उज्जैन

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने की दिशा में उज्जैन जिला अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया है। हालात यह हैं कि जिले को प्रगति की रैंकिंग से बाहर कर दिया गया है, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

2 अक्टूबर 2024 से शुरू हुए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में आवास निर्माण के कार्य को गति देने का लक्ष्य रखा गया था। योजना के तहत गरीब परिवारों को पक्का घर, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उद्देश्य था, लेकिन उज्जैन में यह अभियान धीमी गति का शिकार हो गया।

रिपोर्ट के अनुसार, जिले में अब तक केवल 40 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो सका है। शुरुआत से ही निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार और प्रशासनिक शिथिलता के कारण लक्ष्य हासिल करने में लगातार बाधाएं आती रहीं। यही कारण है कि उज्जैन को जिला स्तरीय प्रगति रिपोर्ट की रैंकिंग से बाहर कर दिया गया। प्रदेश के 12 जिलों में आवास निर्माण की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई है। कई जिलों में 17 प्रतिशत तो कहीं मात्र 14 प्रतिशत तक ही काम पूरा हो पाया है। इन सभी जिलों की रैंकिंग 50 प्रतिशत से भी नीचे है, जिसमें उज्जैन भी शामिल है।

अभियान के तहत कुल 2.83 लाख आवास स्वीकृत किए गए थे, लेकिन इनमें से केवल 30.10 प्रतिशत आवास ही पूर्ण हो पाए हैं, जबकि करीब 1.98 लाख आवास अब भी अधूरे हैं। उज्जैन में 40 प्रतिशत और विदिशा में 14.71 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है। वहीं ग्वालियर और भिंड में लगभग 50-50 प्रतिशत तथा भोपाल में केवल 34.92 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण हो सका है। स्थिति यह दर्शाती है कि यदि निर्माण कार्य में तेजी नहीं लाई गई, तो योजना के लक्ष्य को समय पर पूरा करना मुश्किल होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशासनिक सख्ती, नियमित मॉनिटरिंग और जमीनी स्तर पर कार्य की गति बढ़ाकर ही इस स्थिति में सुधार संभव है।

उज्जैन में बोर्ड कॉपियों की जांच सुस्त, 10वीं मूल्यांकन में जिला सबसे पीछे

अब तक सिर्फ 37% उत्तरपुस्तिकाएं जांची गईं देरी से परिणाम आने की बढ़ी आशंका

उज्जैन। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य में उज्जैन जिला अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा है। विशेष रूप से कक्षा 10वीं की उत्तरपुस्तिकाओं की जांच बेहद धीमी चल रही है, जिसके चलते जिला प्रदेश में पिछड़ता नजर आ रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार अब तक 10वीं की मात्र 37 प्रतिशत कॉपियों का ही मूल्यांकन हो सका है, जबकि 12वीं कक्षा की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है और करीब 64 प्रतिशत उत्तरपुस्तिकाएं जांची जा चुकी हैं।

शहर के दशहरा मैदान स्थित विद्यालय में मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है, जहां 50 हजार से अधिक कॉपियां जांच के लिए पहुंच चुकी हैं। इसके बावजूद मूल्यांकन की रफ्तार धीमी बनी हुई है। खासतौर पर 10वीं कक्षा की कॉपियों की जांच सबसे पीछे चल रही है, जिससे पूरे प्रक्रिया पर असर पड़ रहा है और परिणामों में देरी की संभावना भी बढ़ती जा रही है। जानकारी के मुताबिक मूल्यांकन कार्य में देरी का मुख्य कारण कॉपियों का केंद्र तक समय पर नहीं पहुंच पाना है। इसके साथ ही कई शिक्षकों की ड्यूटी अन्य प्रशासनिक कार्यों में लगी होने के कारण वे नियमित रूप से मूल्यांकन केंद्र पर उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं। इसका सीधा असर कॉपियों की जांच की गति पर पड़ रहा है। विषयवार स्थिति पर नजर डालें तो अंग्रेजी, संस्कृत और गणित विषय की अधिकांश कॉपियों की जांच पूरी होने के करीब है, जबकि हिंदी, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषय की कॉपियों का मूल्यांकन अभी बाकी है। ऐसे में आने वाले दिनों में कार्य का दबाव और बढ़ सकता है।

शिक्षा विभाग के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती निर्धारित समय सीमा के भीतर मूल्यांकन कार्य को पूरा करना है। यदि इसी गति से काम चलता रहा तो परिणाम घोषित करने में भी देरी हो सकती है। ऐसे में विभाग को सख्ती बरतते हुए शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और मूल्यांकन प्रक्रिया में तेजी लाने के प्रयास करने होंगे, ताकि विद्यार्थियों को समय पर परिणाम मिल सके।

शारदा होम्स कॉलोनी में हथियार लेकर घूम रहे नकाब पोश

सीसीटीवी में नजर आ रहे - रहवासियों ने चिमनगंज मण्डी थाने में टीआई को फुटेज देकर रात्रि गस्त कराने की मांग की

उज्जैन। एमआर-5 मार्ग स्थित शारदा होम्स कॉलोनी में हथियार लेकर घूम रहे नकाब पोश सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए हैं। यह जानकारी लगने के बाद रहवासियों में किसी अप्रिय घटना और चोरी होने की आशंका बढ़ गई है। क्षेत्र के लोगों ने सीसीटीवी फुटेज के साथ चिमनगंज मण्डी थाने में आवेदन देकर कॉलोनी में रात में पुलिस गस्त की मांग की है।

रहवासियों ने बताया कि सोमवार की रात लगभग डेढ़ बजे से लेकर साढ़े 3 बजे के बीच कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में अलग अलग दो नकाब पोश

हथियार लेकर घूमते नजर आ रहे हैं। फुटेज में यह बदमाश कई घरों के आगे रुककर रेकी करते भी दिखाई दे रहे हैं। मुँह पर नकाब बंदा हुआ है और कैमरे में बदमाशों के पीछे कमर में बड़े छुरेनुमा हथियार बंधे नजर आ रहे हैं। यह सारे फुटेज रहवासियों ने मंगलवार को चिमनगंज मण्डी थाना टीआई को दिखाए तथा आवेदन के साथ उन्हें सौंप दिए हैं। आवेदन में रहवासियों ने मांग की है कि कॉलोनी में रात के समय 1 से 4 बजे के बीच अनिवार्य रूप से रात्रिकालीन गस्त शुरु कराई जाए। जिससे किसी भी तरह की वारदात को रोका जा सके।

5 दिवसीय भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम प्रशिक्षण भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन

उज्जैन । डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट होमगार्ड ने बताया कि जनपद पंचायत, स्कूलों के अध्यापक / प्राचार्य, डॉक्टर एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगणों को होमगार्ड लाइन उज्जैन में भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं होमगार्ड नागरिक सुरक्षा के तत्वावधान में 05 दिवसीय भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम प्रशिक्षण भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन का आयोजन बुधवार को किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार 27 मार्च तक संचालित किया जाएगा।

तरणताल में उमड़ी भीड़, एंट्री न मिलने पर बच्चे फव्वारे के कुंड में नहाने लगे

एक सप्ताह के लिए फ्री तैराकी योजना बनी आकर्षण का केंद्र - क्षमता से अधिक पहुंचे लोग

उज्जैन। कोठी रोड स्थित तरणताल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग पूल में विकसित किए जाने के बाद नगर निगम द्वारा एक सप्ताह के लिए निशुल्क तैराकी की सुविधा शुरू की गई है। योजना के पहले ही दिनों में इसका जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मंगलवार को हालात ऐसे बन गए कि तरणताल परिसर में भारी भीड़ उमड़ पड़ी और निर्धारित क्षमता पूरी होने के कारण कई युवाओं और बच्चों को प्रवेश नहीं मिल सका।

प्रवेश से वंचित रह गए बच्चों और युवाओं ने पास ही स्थित उद्यान का रुख किया, जहां लगे फव्वारे के कुंड में ही नहाकर आनंद लेने लगे। बच्चों की यह हरकत देखने वालों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई, हालांकि सुरक्षा और स्वच्छता के लिहाज से इसे लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि फ्री तैराकी की घोषणा के बाद से ही बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं, लेकिन व्यवस्थाएं भीड़ के अनुरूप नहीं हैं। ऐसे में कई लोगों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त व्यवस्था की मांग लोगो द्वारा की जा रही है।

श्री गऊ मतंगेश्वर महादेव मंदिर पर भगवान का पंचामृत अभिषेक कर मुख्यमंत्री के लिए दीर्घायु की कामना की

उज्जैन। गोला मंडी स्थित 84 महादेव मंदिरों में से 60वें क्रमांक के प्राचीन श्री गऊ मतंगेश्वर महादेव मंदिर है जहां पर रोहित मित्तल मित्र मंडल द्वारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिन के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान श्री गऊ मतंगेश्वर महादेव का पंचामृत अभिषेक कर मुख्यमंत्री के लिए दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के भतीजे एवं समाजसेवी निशान यादव उपस्थित रहे। रोहित मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि गोला मंडी में श्री गऊ मतंगेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर है जो अत्यंत धार्मिक महत्व रखता है। मान्यता है कि यहां भगवान को एक लोटा जल अर्पित करने से एक गाय दान के समान पुण्य फल प्राप्त होता है।

इसी आस्था के चलते मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर भगवान के समक्ष उनकी तस्वीर रखकर पंचामृत अभिषेक एवं जल अर्पण कर प्रदेश की समृद्धि एवं मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। निशान यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रतिदिन अपने दिन की शुरुआत गौ माता की सेवा से करते हैं। जन्मदिन पर भी मुख्यमंत्री ने गौ सेवा कर दिन की शुरुआत की, जो उनके संस्कारों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश और विशेष रूप से उज्जैन में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं।

यह सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हों तथा वर्ष 2028 में सिंहस्थ कुंभ ऐतिहासिक रूप से सफल हो ऐसी कामना भगवान का पूजन कर की है। इस मौके पर संजय अग्रवाल, कमल कोठारी, दीपक कोठारी, राजकुमार मिश्रा, सोनू मालवीय, सुनील बैरागी, रवि दरबार, पंकज धनोतिया, श्याम शर्मा, रूपेश जैन, कुणाल मालवीय, अजय राय, हीरालाल जैन आदि मंदिर पर सेवा देने वाले लोग उपस्थित थे।

अफवाहों के बीच उज्जैन में पेट्रोल पंपों पर लगी लोगों की भीड़

कई पेट्रोल पंप बंद होने से रातभर लगी रही कतारें

उज्जैन। मंगलवार शाम से हालात ऐसे बदले कि शहर के पेट्रोल पंपों पर अफरा-तफरी मच गई। देवास से पेट्रोल खत्म होने की खबरें जैसे ही फैलीं, उसका असर इंदौर होते हुए उज्जैन तक पहुंच गया। देखते ही देखते पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं और रात 10 बजे तक कई पंप सूख गए। हालात इतने बिगड़े कि कई पंपों की बत्तियां बुझाकर ताले तक लगा दिए गए। बुधवार को भी स्थिति स्थिति और बिगड़ गई तथा लोगों में पेट्रोल डीजल को लेकर पैनिक देखा गया।

बुधवार को भी तस्वीर ज्यादा अलग नहीं थी। जहां पेट्रोल-डीजल उपलब्ध था, वहां लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, जबकि कई पंप बंद ही नजर आए। प्रशासन लगातार सफाई देता रहा कि जिले में पर्याप्त स्टॉक है, लेकिन अफवाहों के आगे लोगों का भरोसा डगमगा गया।

इन कारणों ने बढ़ाई परेशानी....

इस पूरे घटनाक्रम के पीछे कई वजहें एक साथ सामने आईं।

प्रधानमंत्री के हालिया बयान को लेकर लोगों ने अपने-अपने तरीके से आशंकाएं बना लीं, जिससे डर का माहौल बना। वहीं इंदौर के मांगलिया स्थित एचपीसीएल टर्मिनल में मेंटेनेंस के कारण एक दिन सप्लाई ठप रही, जिससे एक तिहाई पंपों पर असर पड़ा।

इसके अलावा बीपीसीएल के नए नियम एडवांस भुगतान और पुरानी उधारी चुकाने की शर्त ने भी कई पंप संचालकों के हाथ बांध दिए। नतीजा यह हुआ कि कई पंप समय पर टैंकर नहीं मंगा सके।

रतलाम के बांगरोद टर्मिनल पर बढ़ती मांग के मुकाबले टैंकर कम पड़ गए। जिन डीलरों के पास अपने टैंकर थे, उनके पंप चलते रहे, बाकी इंतजार करते रह गए।

पैनिक बायिंग ने बिगाड़ा खेल....

सबसे बड़ा असर पैनिक बायिंग का रहा। जिसे 100 रुपए का पेट्रोल चाहिए था, वह 500 रुपए भरवाने पहुंच गया। अचानक कई गुना बढ़ी मांग ने सप्लाई सिस्टम को झटका दे दिया और हालात काबू से बाहर हो गए।

पुलिस ने संभाली मोर्चा, दी समझाइश...

मंगलवार रात से बुधवार शाम तक

मेंटेनेंस, सप्लाई बाधा और पैनिक बायिंग ने बिगाड़ा संतुलन, प्रशासन बोला– घबराएं नहीं, पर्याप्त है ईंधन

पुलिस की टीमें पंपों पर डटी रहीं और लोगों को समझाती रहीं कि घबराने की जरूरत नहीं है। सोशल मीडिया पर एक पुलिसकर्मी का वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें वह लोगों से कहता नजर आया आप भारत में हैं, यहां पेट्रोल की कमी नहीं होगी।

जमाखोरों पर सख्ती, आम लोगों को राहत....

पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने साफ किया कि संकट केवल अफवाहों की वजह से बना। छोटे पंप ज्यादा खपत के कारण अस्थायी रूप से खाली जरूर हुए, लेकिन सप्लाई लगातार जारी है। जमाखोरी रोकने के लिए बोतल और ड्रम में पेट्रोल देने पर रोक लगा दी गई है।

प्रशासन की अपील...

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि उज्जैन में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। सभी कंपनियां लगातार सप्लाई दे रही हैं और पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल लें।

'मार्ग चौड़ीकरण के पश्चात सड़कों पर अतिक्रमण बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा - महापौर

उज्जैन- 'बुधवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा कोयला फाटक से होते हुए निजातपुरा एवं वीडी क्लॉथ मार्केट से तेलीवाड़ा तक निगम द्वारा किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण एवं रोड निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया'

'निरीक्षण के दौरान महापौर द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया की मार्ग चौड़ीकरण के पश्चात सड़कों पर अतिक्रमण ना हो, मार्ग पर अतिक्रमण बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा चौड़ीकरण का कार्य सुगम आवागमन एवं यातायात सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है अगर मार्ग पर अतिक्रमण होगा तो चौड़ीकरण कार्य का अर्थ ही नहीं निकलेगा इसलिए जिन मार्गों पर भी चौड़ीकरण का कार्य प्रचलित है वहां पर चौड़ीकरण का कार्य दिखना चाहिए की मार्ग सुगम आवागमन हेतु इतना मीटर चौड़ा किया गया है।

निरीक्षण के दौरान कोयला फाटक से निजातपुरा तक चल रहे कार्यों का अवलोकन किया जहां वर्तमान में कोयला फाटक से निजातपुरा तक 450 मीटर से अधिक रोड निर्माण का कार्य, इलेक्ट्रिक पोल, नाली निर्माण एवं ब्लॉक लगाए जाने का कार्य पूर्ण हो गया है आगे नरेंद्र टॉकीज से कंठाल तक खुदाई का कार्य प्रचलित है इसी के साथ वीडी क्लॉथ मार्केट से तेलीवाड़ा तक भी रोड निर्माण, नाली निर्माण, इलेक्ट्रिक पोल एवं ब्लॉक लगाए जाने का कार्य पूर्णता की ओर है महापौर द्वारा वीडी क्लॉथ मार्केट से तेलीवाड़ा तक कार्य के निरीक्षण के दौरान कहा कि उक्त कार्य संतोषजनक है साथ ही निर्देशित किया कि जहां भी कार्य चल रहे हैं वहां गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें एवं शीघ्रता से कार्यों को पूर्ण करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने कलेक्टर कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया

कर्तव्य स्थल पर अनुपस्थित पाए गए 56 कर्मचारियों का आधे दिवस का वेतन काटे जाने के आदेश जारी

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन की द्वितीय तल स्थित कलेक्टर कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने एडीएम कार्यालय, अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय, लोकसेवा प्रबंधन, नाजिर शाखा का निरीक्षण किया और कार्यालय में उपस्थित कर्मचारियों की अपने समक्ष उपस्थिति दर्ज करवाई। जो कर्मचारी कार्यालय में विलंब से आते है, उनका आधा दिवस का वेतन काटने के आदेश जारी किए गए।

इनमें श्री सूर्य प्रकाश सोनी प्रभारी अधीक्षक , श्री ईश्वरलाल शर्मा सहायक ग्रेड 2 , श्री राजेश वर्मा सहायक ग्रेड 2 ,श्री निलेश मिमरोट स्टेनो टाइपिस्ट, सहायक ग्रेड 3 श्रीमती कुसुम पांडे, श्रीमती राधा सुरतानिया, श्री आशीष शाह ,श्री प्रतीक यादव ,श्रीमती रेखा राठौर ,श्रीमती रुपाली नागर, श्रीमती गरिमा जोशी , श्री रूद्रेश वझे, श्रीमती प्रिया मरमट, श्री रोहित गोठवाल, श्री रितेश माथुर, श्री गौरव तला, श्री लोकेश मालवीय, श्रीमती कल्पना शर्मा, श्री अशोक केथवास, श्री पलाश राठौर, श्री तरुण वर्मा कार्यालय सहायक संविदा, श्रीमती रीना मालवीय सहायक ग्रेड 3, श्री संतोष वाघेला कार्यालय सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर संविदा, श्रीमती सोनम यादव सहायक ग्रेड 3, श्रीमती लीला सेंगर प्रतिलिपिकार, श्री किशोर शर्मा प्रतिलिपिकार, श्री धर्मेश बैरागी कम्प्यूटर आपरेटर(आउटसोर्स), श्री विक्रम सिंह राठौड़ सहायक विकास विस्तार अधिकारी, श्री अंकित उपाध्याय प्रशिक्षण अधिकारी, श्री मधुसुदन बैरागी सहायक ग्रेड -3 श्री प्रहलाद मैहर श्रमिक, डॉ पूनम सिंह शेखावत अधीक्षक भू अभिलेख, श्री माधव प्रसाद मोगरे सहायक अधीक्षक, श्री विद्याधर सोनपराते सहायक ग्रेड 3 ,श्रीमती सारिका भार्गव राजस्व निरीक्षक, श्री रिदम पटेल राजस्व निरीक्षक, श्रीमती पूजा बघेल राजस्व निरीक्षक, श्री आसिफ हुसैन पटवारी, श्रीमती दीप्ति शर्मा पटवारी, श्रीमती मथुरी सोलंकी पटवारी, श्रीमती भावना त्रिपाठी जूनियर डाटा एंट्री ऑपरेटर, श्री अमन पत्की जूनियर डाटा एंट्री ऑपरेटर, श्रीमती आशा पारेगी भ्रत्य, श्री पृथ्वीराज राणा भृत्य, श्री केशव प्रसाद सेन भृत्य, श्री शंकर लाल गहलोत भृत्य, श्री सूरज निवेतिया भृत्य, श्री अनिल चौहान भृत्य, श्री राजेंद्र श्रवण भृत्य, श्रीमती लता लकी भृत्य, श्री दीपक चौहान भृत्य, श्री देवेंद्र चंद्रावत भृत्य, श्री दिलीप पाटिल भृत्य, श्री विजय रायकवार भृत्य, श्री सतीश वर्मा भृत्य और श्री रोहित सोलंकी भृत्य का आधे दिवस का वेतन काटा गया है।

इस दौरान अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री अत्येंद्र सिंह गुर्जर और उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संदीप सिंह उपस्थित थे।

'तुझे नाटक नहीं आता करेगा क्या ज़माने में'–राजेन्द्र गट्टानी

उज्जैन। कविता अंधेरे और प्रकाश के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करती है। कवियों का दायित्व बहुत बड़ा है। कविता साझा अनुभवों में अपनी शक्ति पाती है।

ये विचार मध्यप्रदेश लेखक संघ, उज्जैन द्वारा प्रेस क्लब में आयोजित सरस काव्य गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि, सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलानुशासक एवं समालोचक प्रो. शैलेंद्रकुमार शर्मा ने व्यक्त किए। आपने कहा कि कविता मानव अस्तित्व के हर पहलू को पकड़ती है। वह दैनन्दिन खुशियों और संघर्षों से लेकर जीवन के गहरे सत्य तक सभी को उद्घाटित करती है। सरस गोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं मध्यप्रदेश लेखक संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी ने कहा कि साहित्यिक-सांस्कृतिक नगरी में आना और काव्य पाठ करना मन को सुकून देता है। आपने कविता पढ़ते हुए कहा कि- ÷कभी चाहा नहीं फिर भी यह आता है बताने में, बहुत सी ज़हमतें हैं आज अच्छापन निभाने में। मुझे स्कूल में नाटक से यह कहकर निकाला था, तुझे नाटक नहीं आता करेगा क्या ज़माने में। अध्यक्षीय उद्बोधन प्रो. हरिमोहन बुधौलिया ने दिया। सारस्वत अतिथि डॉ. शिव चौरसिया, विशिष्ट अतिथि श्रीकृष्ण जोशी और विशेष अतिथि प्रेमचंद सृजन पीठ के निदेशक मुकेश जोशी थे। सरस्वती वंदना डॉ. अनामिका सोनी ने प्रस्तुत की तथा स्वागत भाषण डॉ. हरीशकुमार सिंह ने दिया।

सरस गोष्ठी में कैलाश सोनी सार्थक, डॉ. उर्मि शर्मा, डॉ. पुष्पा चौरसिया, संगीता तल्लेरा, डॉ. राजेश रावल सुशील, डॉ. रमेश चांगेसिया प्रभात, सुगनचंद जैन, संतोष सुपेकर, सीमा देवेन्द्र, डॉ. पांखुरी वक्त, संदीप सृजन, इंजीनियर प्रफुल्ल शुक्ला, डॉ. अनामिका अप्रतिम, सूरज नागर, डी.के. जैन, डॉ. अखिलेश चौरे, आशीष श्रीवास्तव अश्क, डॉ. अभिलाषा शर्मा, डॉ. हरीशकुमार सिंह, हरदीप दायले, नेत्रा रावणकर, श्रीकृष्ण गुप्ता, विनोद काबरा और मानसिंह शरद ने काव्य पाठ किया।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश लेखक संघ के प्रदेशाध्यक्ष श्री राजेंद्र गट्टानी का विशेष अभिनंदन प्रो. हरिमोहन बुधौलिया और मध्यप्रदेश लेखक संघ, उज्जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेश रावल सुशील ने किया और आभार आशीष श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

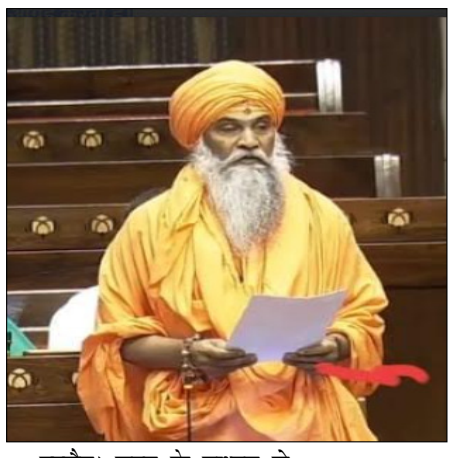

महाकाल मंदिर की सुरक्षा को लेकर सदन में उठी मांग, सिंहस्थ 2028 से पहले नेशनल सिक्योरिटी ग्रिड और हाईटेक व्यवस्था लागू करने पर जोर

उज्जैन। सदन के माध्यम से अवंतिका नगरी के अधिपति भगवान महाकालेश्वर की सुरक्षा और करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था से जुड़ा एक अत्यंत संवेदनशील विषय उठाना चाहता हूँ। बाबा महाकाल की भस्म आरती, माता शिप्रा का तट, बाबा काल भैरव, सिद्ध नाथ जी यहां निवास करते हैं महोदय, भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित और पुनर्स्थापित करने का जो ऐतिहासिक संकल्प हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी लिया है, वह आज संपूर्ण विश्व के सामने प्रत्यक्ष है। उन्हीं के दिव्य सानिध्य और दूरदृष्टि का परिणाम है कि आज काशी विश्वनाथ धाम से लेकर भव्य अयोध्या धाम तक हमारी संस्कृति का गौरव पुनर्जीवित हुआ है। इसी कड़ी में, उज्जैन मे श्री महाकाल लोक% के रूप में जो अद्भुत कार्य हुआ है, उसने विश्वभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित किया है। महोदय, प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के इस संकल्प से आज उज्जैन में श्रद्धालुओं का एक महाकुंभ प्रतिदिन उमड़ रहा है।

वर्तमान में यहाँ प्रतिदिन औसतन 4.5 से 5 लाख श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन हेतु पधार रहे हैं। लेकिन महोदय, असली चुनौती हमारे सामने वर्ष 2028 का सिंहस्थ महाकुंभ है। जैसे-जैसे हम उस महापर्व की ओर बढ़ रहे हैं, यह संख्या दुगुनी और तिगुनी होती चली जाएगी।

महोदय, वर्तमान में मंदिर की संपूर्ण व्यवस्था भगवान महाकाल की असीम कृपा और उनकी छत्रछाया में कुशलतापूर्वक चल रही है। मंदिर की आंतरिक सुरक्षा का दायित्व निजी सुरक्षा एजेंसी और स्थानीय पुलिस व होमगार्ड के जवान पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं। महोदय, मोदी जी ने जो भव्य स्वरूप उज्जैन को दिया है, उसकी सुरक्षा और आने वाले 10-15 करोड़ श्रद्धालुओं के कुंभ प्रबंधन के लिए हमें अब बड़े और तकनीकी कदम उठाने होंगे। अतः मैं सरकार से विनम्र आग्रह और मांग करता हूँ। राष्ट्रीय सुरक्षा ग्रिड- महाकाल मंदिर को नेशनल सिक्योरिटी ग्रिड का हिस्सा बनाया जाए और छ्ठ्ठस्न जैसी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के माध्यम से यहाँ के सुरक्षा प्रोटोकॉल का नियमित ऑडिट सुनिश्चित किया जाए। स्मार्ट टेक्नोलॉजी- सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए, पूरे उज्जैन क्षेत्र को ,द्ध-आधारित स्मार्ट क्राउड एनालिटिक्स और अत्याधुनिक ड्रोन सर्विलांस से लैस किया जाए।

ह्रष्ठक्रस्न का स्थायी केंद्र- श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु उज्जैन में ह्रष्ठक्रस्न का एक स्थायी क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किया जाए। सभापति महोदय, महाकाल की सुरक्षा केवल एक राज्य का दायित्व नहीं, अपितु राष्ट्र की सांस्कृतिक अखंडता का विषय है। मैं पूरे सदन से इस महत्वपूर्ण मांग के समर्थन का आग्रह करता हूँ।

मुख्यमंत्री जी के जन्म दिवस पर वार्ड 40 में सीमेंट कांक्रीट रोड की सौगात, शहर में निरंतर चलता रहेगा विकास कार्य – निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव

वार्ड क्र 40 में निगम अध्यक्ष द्वारा किया गया सड़क निर्माण कार्य भूमिपूजन

उज्जैन। वार्ड क्रमांक 40 की क्षेत्रीय पार्षद के प्रयासों से वार्ड में मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना अंतर्गत राशि रुपए लगभग 37 लाख की लागत से सीमेंट कंक्रीट रोड निर्माण का कार्य करवाया जाएगा उक्त कार्य का भूमि पूजन बुधवार को निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती जानी बाई सतीश राठौर, जोन अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम मालवीय, मंडल अध्यक्ष श्री हरीश सोलंकी, महामंत्री श्री आनंद खींची, श्री कमलेश बैरवा की उपस्थिति में किया गया।

'उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत नगर निगम द्वारा मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना अंतर्गत राशी रुपए लगभग 37 लाख की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण का कार्य करवाया जाएगा उक्त कार्य अंतर्गत बजरंग नगर की विभिन्न गलियों में सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण का कार्य होगा साथ ही निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के निर्देश के क्रम में बजरंग नगर की मुख्य रोड पर भी सीमेंट कंक्रीट किए जाने हेतु निर्देशित किया गया जिसके क्रम में संपूर्ण गलियों में सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण होगा जिससे क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी'

'निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा बुधवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के जन्म दिवस के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई साथ ही कहा कि उज्जैन शहर में निरंतर विकास का क्रम इसी प्रकार जारी रहेगा बुधवार को जन्मदिवस के अवसर पर वार्ड क्रमांक 40 में भी सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण की सौगात मिली है मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जिस प्रकार मध्य प्रदेश में सर्वांगीण विकास एवं जनहितेषी कार्य हो रहे हैं यह निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे पुनः मुख्यमंत्री जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई।

'इस दौरान पार्शद प्रतिनिधि श्री सतीष राठौर, श्री खुषाल गुप्ता, श्री रुपेष जाटवा, श्री मोनू यादव, श्री प्रिंस लोदवाल, श्री पप्पू राठौर, श्री सुनील गोठवाल, श्री महेंद्र मरमट, श्री इंद्र सिंह गहलोत, श्री इंद्रमणि राजपूत, श्री परमानंद प्रजापत, श्री अनिल गिरी, श्रीमती रंजना राजपूत, श्रीमती ललिता द्रोणावत एवं वार्ड के सम्मानीय नागरिक उपस्थित रहे'।

महालक्ष्मी मंदिर नवरात्रि में हो रहे नित नये श्रृंगार

उज्जैन। अलखधाम नगर स्थित श्री साई बाबा मंदिर में विराजित माता महालक्ष्मी मंदिर पर चैत्रीय नवरात्रि पर्वकाल में नित प्रतिदिन नये नये रूप में मां का श्रृंगार हो रहा है।

ट्रस्टी ओम बंसल व समिति अध्यक्ष रमेश परवाल के अनुसार महालक्ष्मी मंदिर में नवरात्रि उत्साहपूर्वक धूमधाम के साथ मनाई जा रही है। प्रतिदिन विभिन्न सूक्त पाठ, अर्चन व भजनों के द्वारा मां की भक्ति की जा रही है। माताजी का नवरात्रि में श्रृंगार नियमित रूप से प्रो.श्रीमती रेखा गुप्ता द्वारा किया जा रहा है।

कल नवरात्रि की महानवमी पर 27 मार्च 2026 शुक्रवार को माताजी का विशिष्ट एवं अद्भुत श्रृंगार किया जाकर महाआरती की जावेगी एवं 56 भोग अर्पित कर प्रसाद वितरण संध्या 7 बजे किया जायेगा। माता के भक्तों से ट्रस्ट ने इस उत्सव में सम्मिलित होकर पुण्यलाभ लेने की अपील की है।

देश में खत्म हो अखाड़ा और अखाड़ा परिषद, पुनर्स्थापित हो ऋषि परंपरा

पुजारी महासंघ ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, साधु-संतों पर पद, प्रतिष्ठा और ऐश्वर्य के लिए लड़ने का आरोप, आश्रमों के व्यवसायीकरण का उठाया मुद्दा

उज्जैन। अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर देश में अखाड़ा और अखाड़ा परिषद को समाप्त करने की मांग की है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी ने पत्र में स्पष्ट किया है कि सनातन धर्म में अखाड़ों की नहीं, बल्कि ऋषि-मुनि परंपरा रही है। अखाड़ों की स्थापना का जो मूल उद्देश्य था, वह अब पूरा हो चुका है। धर्म और देश की रक्षा के लिए अब भारतीय सेना सक्षम है, इसलिए वर्तमान में अखाड़ों की कोई आवश्यकता नहीं है।

पद और प्रतिष्ठा की लड़ाई से सनातन को नुकसान

पत्र में बताया गया है कि आद्य शंकराचार्य द्वारा ढाई से तीन हजार वर्ष पूर्व सनातन धर्म की रक्षा के लिए अखाड़ों की स्थापना की गई थी। लेकिन वर्तमान में अखाड़ों के साधु-संत पद, प्रतिष्ठा व ऐश्वर्य के लिए आपस में विवाद कर रहे हैं। कथाकथित साधु-संत मंदिरों की परंपरा, मर्यादा और नियमों को तोड़ रहे हैं। हाल ही में उज्जैन में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर हुए विवाद का जिक्र करते हुए कहा गया है कि ऐसी घटनाओं से सनातन धर्म को नुकसान पहुंच रहा है और समाज के सामने लज्जित होना पड़ रहा है।

आश्रम बन गए व्यावसायिक केंद्र

महासंघ का आरोप है कि वर्तमान समय में अखाड़े व्यावसायिक केंद्र बन चुके हैं। साधु-संतों को निवास के लिए जो स्थान दिए गए थे, वे अब गार्डन और यात्री गृह में बदल चुके हैं, जिनसे उन्हें करोड़ों रुपये की आय हो रही है। साधु समाज मोह और त्याग का प्रतीक माना जाता है, इसके बावजूद सरकार पर दबाव बनाकर सिंहस्थ के नाम पर भारी धनराशि की मांग की जाती है। जबकि सिंहस्थ में साधु-संतों को ऐश्वर्य त्याग कर जप, तप और भजन करना चाहिए।

जमीनों की खरीद–फरोख्त और अतिक्रमण

पत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि संत की दीक्षा लेने के बाद जमीन खरीदना व बेचना दोषपूर्ण माना जाता है। इसके बावजूद संत समाज द्वारा सरकारी भूमियों पर अतिक्रमण किया गया है। महासंघ ने दावा किया है कि यदि निष्पक्ष जांच की जाए, तो साधु-संतों के पास हजारों बीघा जमीन निकलेगी।

रामराज्य के लिए ऋषि परंपरा की जरूरत

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि त्रेता युग में भगवान श्रीराम का मार्गदर्शन भी सप्त ऋषियों जैसे ज्ञानी ऋषि-मुनियों ने ही किया था। उसी मार्ग पर चलकर श्रीराम ने रामराज्य की स्थापना की थी। वर्तमान सरकार भी श्रीराम के पथ पर चलने वाली है और इसी के परिणामस्वरूप भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। अतः अब पुनः रामराज्य की स्थापना के लिए देश में अखाड़ा परिषद को समाप्त कर, ऋषि परंपरा को स्थापित करने का कानून बनाया जाना चाहिए।

नेशनल लोक अदालत अन्तर्गत 31 मार्च तक बकाया सम्पत्तिकर जमा कराने अधिभार (सरचार्ज) में दी जा रही विशेष छूट

उज्जैन। शासन निर्देशानुसार बकाया सम्पत्तिकर एवं जलकर जमा कराने पर नेशनल लोक अदालत के तहत अधिभार (सरचार्ज) में दी जाने वाली विशेष छूट का प्रावधान 31 मार्च 2026 तक किया गया है।

'छूट की पात्रता'

'नेशनल लोक अदालत में संपत्ति कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रुपये तक बकाया है, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी, सम्पत्ति कर के जिन प्रकरणों में कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपये से अधिक तथा एक लाख रुपये तक है उनमें 50 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी, सम्पत्ति कर के जिन प्रकरणों में कर तथा अधिभार की राशि 01 लाख रुपये से अधिक बकाया है उसमें अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी'

'जल कर/उपभोक्ता प्रभार के ऐसे प्रकरण, जिनमें जल कर एवं अधिभार की राशि 10 हजार रुपये तक बकाया है, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। ऐसे प्रकरण, जिसमें जल कर/उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 10 हजार से अधिक तथा 50 हजार तक बकाया है जिसमें अधिभार में 75 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी, ऐसे प्रकरण जिनमें जल कर/उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 50 हजार से अधिक बकाया है उनमें अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी, यह छूट मात्र एक बार ही दी जायेगी'

'करदाताओं से अपील'

'महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, राजस्व विभाग प्रभारी श्री रजत मेहता एवं जलकार्य एवं सीवरेज प्रभारी श्री प्रकाश शर्मा ने शहर के सम्मानीय करदाताओं से अपील की है कि ऐसे करदाता जिन्होंने अभी तक अपना बकाया सम्पत्तिकर एवं जलकर जमा नहीं कराया है वे नेशनल लोक अदालत में दी जा रही छूट का लाभ प्राप्त करते हुए अपना बकाया सम्पत्तिकर एवं जलकर जमा करा कर शहर विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए एक अच्छे नागरिक होने का परिचय दें'।

सुख, समृद्धि, शांति एवं सनातन धर्म की रक्षा के लिए 15 दिवसीय पदयात्रा निकाली गई

उज्जैन। जिला ग्वालियर की भितरवार विधानसभा क्षेत्र स्थित श्री धूवेश्वर धाम से उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर तक निकाली गई पैदल यात्रा का बुधवार को उज्जैन आगमन हुआ। यह यात्रा श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी श्री अनिरुद्धवन जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित की गई।

करीब 15 दिनों से लगातार चल रही इस पदयात्रा का उद्देश्य देश में सुख, समृद्धि, शांति एवं सनातन धर्म की रक्षा का संदेश देना रहा। यात्रा के उज्जैन पहुंचने पर नीलगंगा चौराहे पर ज्ञानेश्वरी ग्रुप द्वारा रुपेश शर्मा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया और गुरुजी का आशीर्वाद लिया एवं यात्रा में शामिल भक्तों के लिए शरबत व मिठाई का वितरण भी किया गया। यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालु ÷जय श्री राम÷ के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर युवा भजनों की धुन पर झूमते और नाचते हुए नजर आए।रुपेश शर्मा ने कहा कि यह उज्जैन के लिए गर्व का विषय है कि गुरुजी स्वयं ग्वालियर से पैदल यात्रा करते हुए महाकाल की नगरी पहुंचे हैं।

यात्रा के माध्यम से समाज में धर्म, एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया जा रहा है। महामण्डलेश्वर स्वामी अनिरुद्धवन जी महाराज ने कहा कि इस यात्रा के दौरान जिस प्रकार लोगों का उत्साह और सहभागिता देखने को मिली, उससे स्पष्ट है कि यह केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की यात्रा बन गई। उन्होंने कहा कि हर कुछ किलोमीटर पर श्रद्धालु स्वयं जुड़ते गए और यात्रा जन-जन की आस्था का प्रतीक बन गई। इस पदयात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता फैलाना भी है। महाकाल मंदिर पहुंचकर महामण्डलेश्वर जी ने भगवान महाकाल से देश की सुख-समृद्धि, शांति और धर्म की रक्षा के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर पं ध्रुव नारायण, शास्त्री (डबरा), श्री रूपेश शर्मा, (डबरा), अमन मुद्गल, सौरभ तिलवे, संदीप हिरवे, संदीप कुशवाह, कुलदीप दरबार, आकाश माली, राहुल सूर्यवंशी, करीम खान, रवि पोरवाल आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जो कर्मचारी विभागों में कार्यरत है उनकी विभागों में उपस्थिति दर्ज हो – महापौर

उज्जैन। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा बुधवार को नगर निगम के विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जो कर्मचारी विभागों में बिना कारण अनुपस्थित पाए गए उन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि जो कर्मचारी विभागों में कार्यरत है उनकी उपस्थिति उनके विभागों में ही दर्ज हो अन्य विभागों में नहीं हो। निरीक्षण के दौरान महापौर द्वारा निगम सचिव कार्यालय, विधि विभाग, लेखा शाखा, कोषालय, पेंशन शाखा, ऑडिट शाखा, जनसंपर्क विभाग, आईटी सेल, स्थापना शाखा, बिल्डिंग परमिशन, सामान्य प्रशासन, शिल्पज्ञ विभाग का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की गई साथ ही निर्देशित किया कि कार्यलय समय में कर्मचारी उपस्थित रहे समय से कार्यालय आए एवं फाइलों को अनावश्यक लंबित न रखें, विभागों में सफाई व्यवस्था का भी ध्यान रखें।

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री प्रकाश शर्मा, श्री जितेंद्र कुवाल, डॉ योगेश्वरी राठौर, श्री कैलाश प्रजापत, पार्षद प्रतिनिधि श्री बालकृष्ण पटेल, श्री खुशाल गुप्ता, उपायुक्त श्री मनोज मौर्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

कक्षाओं में परिवर्तनःराष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-संरेखित शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ)। फाउंडेशनल से लेकर माध्यमिक तक सभी स्तरों के लिए विकसित, न्यू डायरेक्शन्स केंद्रित सामग्री, कौशल-निर्माण अभ्यास और उन्नत डिजिटल टूल के साथ कक्षा सीखने में क्रांतिकारी बदलाव लाता है। शैक्षणिक उत्कृष्टता और विश्वसनीय शिक्षण संसाधनों के प्रति विवा एजुकेशन की प्रतिबद्धता ने देश भर में शिक्षा को आकार दिया है। नई दिशाओं के साथ, यह छात्रों को अकादमिक और उससे आगे सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करके सीखने को फिर से परिभाषित करता है। नई दिशाओं की मुख्य विशेषताएं- 1. एनईपी और एनसीएफ संरेखित पाठ्यक्रम विवा एजुकेशन की नई दिशाएँ श्रृंखला सीखने के लिए एक आधुनिक और समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) के उद्देश्यों के साथ निकटता से जुड़ी हुई है। किताबें कम सामग्री, अधिक सीखने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, अनावश्यक जटिलता को कम करती हैं और छात्रों को आवश्यक अवधारणाओं के साथ गहराई से जुड़ने में सक्षम बनाती हैं। प्रत्येक पुस्तक को विषयों को सरल बनाने, बेहतर वैचारिक समझ को बढ़ावा देने और ज्ञान प्रतिधारण सुनिश्चित करने के लिए संरचित किया गया है। 2. कौशल-आधारित शिक्षा श्रृंखला कौशल विकास पर जोर देती है, संचार, सहयोग और आलोचनात्मक सोच जैसी 21वीं सदी की दक्षताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करती है। श्रृंखला की प्रत्येक पुस्तक में इन आवश्यक कौशलों को बढ़ाने के लिए गतिविधियाँ और अभ्यास हैं। इनमें समस्या-समाधान परिदृश्य, समूह चर्चा और महत्वपूर्ण सोच कार्य शामिल हैं जो पारंपरिक पाठ्यपुस्तक सामग्री से परे हैं। 3. अंत:विषय शिक्षण और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य एनईपी सभी विषयों और पाठ्यक्रम में अंत:विषय दृष्टिकोण की सिफारिश करता है। उदाहरण के लिए, श्रृंखला न्यू डायरेक्शन इंग्लिश में विशेष गतिविधियाँ हैं जो शिक्षार्थियों को अन्य विषयों, अनुशासनों और डोमेन के संदर्भों में लागू करके पाठ्य विचारों का विस्तार करने और उनका पता लगाने में मदद करती हैं। यह श्रृंखला संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को भाषा पाठ्यक्रम में इस तरह से एकीकृत करती है जो जागरूकता पैदा करती है और कार्रवाई के लिए प्रेरित करती है। 4. वास्तविक दुनिया की प्रासंगिकता न्यू डायरेक्शन पाठ्यक्रम में बहु-विषयक पाठ शामिल हैं जो विज्ञान, गणित, भाषा और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों को वास्तविक जीवन के परिदृश्यों से जोड़ते हैं। उदाहरण के लिए, किताबों में गणित के पाठों में बजट बनाने के अभ्यास शामिल होते हैं, जबकि विज्ञान के विषयों में पर्यावरण संरक्षण का पता लगाया जाता है। प्रत्येक अध्याय अमूर्त अवधारणाओं और उनके रोजमर्रा के अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटने के लिए व्यावहारिक उदाहरण और गतिविधियाँ प्रदान करता है। यह दृष्टिकोण छात्रों को उनकी शिक्षा की प्रासंगिकता देखने में मदद करता है और सीखने को सार्थक और प्रभावशाली बनाकर समझ और धारणा में सुधार करता है। 5. सांस्कृतिक एकता किताबें वैश्विक दृष्टिकोण को बनाए रखते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाती हैं। पाठों को देश की परंपराओं, इतिहास और मूल्यों पर गर्व पैदा करने, मजबूत सांस्कृतिक जागरूकता और राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके साथ ही, श्रृंखला वैश्विक दृष्टिकोण को शामिल करके छात्रों के क्षितिज को व्यापक बनाती है, यह सुनिश्चित करती है कि वे अंतरराष्ट्रीय अवसरों के लिए तैयार हैं। भारतीय और वैश्विक संस्कृतियों को प्रतिबिंबित करने वाली कहानियों, उदाहरणों और गतिविधियों को एकीकृत करके, किताबें संतुलित व्यक्तियों का निर्माण करती हैं जो नवाचार को अपनाने के साथ-साथ परंपरा की सराहना करते हैं। 6. इंटरएक्टिव और समावेशी गतिविधियाँ नई दिशाएं विविध शिक्षण शैलियों को पूरा करने के लिए पूछताछ-आधारित अभ्यास, व्यावहारिक परियोजनाएं और सहयोगी गतिविधियां प्रदान करती हैं। ये इंटरैक्टिवतत्व छात्रों को सक्रिय सीखने में संलग्न करते हैं, जिससे कक्षा अधिक समावेशी और मनोरंजक बन जाती है। पुस्तकों में विशिष्ट अनुभाग विभिन्न सीखने की प्राथमिकताओं को संबोधित करते हैं, जो अद्वितीय आवश्यकताओं वाले छात्रों सहित सभी छात्रों के लिए पहुंच सुनिश्चित करते हैं। पुस्तकों में भागीदारी बढ़ाने और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए दृश्य सहायता, निर्देशित अभ्यास और समूह-आधारित कार्य भी हैं। 7. उन्नत डिजिटल उपकरण विवा एआई-बडी, एक एआई-संचालित शिक्षण सहायक, अनुरूप अभ्यास, त्वरित प्रतिक्रिया और इंटरैक्टिव समर्थन के साथ सीखने के अनुभव को वैयक्तिकृत करता है। आसान पहुंच के साथ, छात्र अपनी वाइवा एजुकेशन पाठ्यपुस्तक से जुड़े ऐप या प्लेटफॉर्म तक पहुंच कर, दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके और एआई असिस्टेंट के साथ बातचीत करके वाइवा एआई-बडी का उपयोग कर सकते हैं।

वे प्रश्न पूछ सकते हैं, अवधारणा सारांश का अनुरोध कर सकते हैं, एनिमेटेड स्पष्टीकरण देख सकते हैं या अपनी समझ का परीक्षण करने के लिए अभ्यास क्विज़ ले सकते हैं। उच्च-गुणवत्ता वाले एनिमेशन, व्याख्याकार वीडियो और डिजिटल अभ्यास पाठ को संलग्न करते हैं, रुचि और समझ को बढ़ाते हैं। 8. समग्र विकास शिक्षाविदों से परे, पुस्तकों में मूल्यों की शिक्षा, भावनात्मक कल्याण और सामाजिक जागरूकता के पाठ शामिल हैं। अध्यायों में सहानुभूति, लचीलापन और नैतिक निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए गतिविधियाँ और परिदृश्य शामिल हैं। यह समग्र दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि छात्र कक्षा से परे चुनौतियों का सामना करने में सक्षम पूर्ण व्यक्ति के रूप में विकसित हों। श्रृंखला छात्रों को भावनात्मक संतुलन और सामाजिक जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करके विभिन्न परिस्थितियों में अखंडता और अनुकूलनशीलता बनाए रखने के लिए तैयार करती है। चिरायु के बारे में विवा एजुकेशन शिक्षा क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम है, जो छात्रों और शिक्षकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण संसाधन बनाने के लिए समर्पित है। 35 वर्षों से अधिक की प्रकाशन विशेषज्ञता के साथ, विवा एजुकेशन, विवा बुक्स का एक प्रभाग, मूलभूत, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक स्तरों के लिए नवीन, आकर्षक और पाठ्यक्रम-संरेखित सामग्री प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाने वाला, विवा एजुकेशन ऐसी किताबें विकसित करता है जो अकादमिक कठोरता को व्यावहारिक शिक्षा के साथ जोड़ती हैं, महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और कौशल विकास को बढ़ावा देती हैं। डिजिटल टूल और एआई-संचालित समाधानों सहित पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक तकनीक के मिश्रण के साथ, विवा एजुकेशन सीखने के भविष्य को आकार दे रहा है।

एआई के दौर में बराबरी के अवसरों का वादा

साल खत्म होने को है और इस वक्त पीछे मुड़कर देखना स्वाभाविक ही है। गुजरता साल कई चुनावों में हार-जीत का गवाह बना और भूराजनीतिक उथलपुथल के भी दूरगामी असर रहे। मगर भारत में तेज होड़ और समान अवसरों के वादे के बीच बहुत कुछ और भी हुआ, जिसकी बात नीचे की जा रही है।

कारोबार के चलन की बात करें तो क्विक कॉमर्स बिला शक 2024 का बादशाह रहा। बीसेक उत्साही उद्यमियों और फूड डिलिवरी दिग्गज स्विगी तथा जोमैटो से आए लोगों द्वारा शुरू किए गए जेप्टो जैसे छोटे से स्टार्टअप ने क्विक कॉमर्स का जो मॉडल खड़ा किया, उसे एमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी भारी-भरकम कंपनियों को भी आजमाना पड़ रहा है। वक्त ऐसा बदला कि कभी बड़ी कंपनियों की तर्ज पर चलने वाली छोटी कंपनियां अब उन्हें ही अपना कारोबारी मॉडल बदलने और तेज-तर्रार बनने पर मजबूर कर रही हैं।

इसके बाद उपग्रह संचार (सैटकॉम) के लिए स्पेक्ट्रम पूरे साल विवाद का मसला रहा और उसे पक्ष तथा विपक्ष में खेमे बन गए। स्पेक्ट्रम की नीलामी (अंतरराष्ट्रीय अनुभवों और प्रयोगों के मुताबिक बहुत चुनौती भरी) की वकालत करने वाले खेमे का तर्क है कि सैटकॉम में भी नीलामी होने से मोबाइल टेलीफोनी के साथ होड़ करने के समान अवसर मिलेंगे। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों को किसी भी खेमे के प्रभाव में आने के बजाय सैटकॉम को जल्द से जल्द शुरू कर देना चाहिए। दूरसंचार मंत्री ने हाल ही में संसद में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सैटकॉम कंपनियों को प्रशासनिक व्यवस्था के जरिये यानी नीलामी के बगैर ही स्पेक्ट्रम देकर भी बराबरी का मैदान सुनिश्चित किया जाएगा। विवाद का असली कारण उच्चतम न्यायालय का फरवरी 2012 में आया फैसला है, जिसमें दूरसंचार स्पेक्ट्रम जैसे दुर्लभ सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन के लिए नीलामी को प्राथमिकता देने की बात कही गई थी। हालांकि अदालत ने इस फैसले पर अभी तक पुनर्विचार नहीं किया है मगर सरकार मानती है कि दूरसंचार विधेयक में सैटकॉम के लिए बने कानून तरंगों को बिना नीलामी आवंटित करने की इजाजत देते हैं। बराबरी सुनिश्चित करने की बहस के बीच उम्मीद है कि सैटकॉम सुदूर इलाकों में कनेक्टिविटी का एक और स्तर तैयार कर देंगे।

आजकल कारोबार में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और जेनएआई के बिना सब कुछ अधूरा है। सेंटा क्लारा की कंपनी एनविडिया के मुख्य कार्य अधिकारी जेनसेन ह्वांग की भारत यात्रा और एआई की संभावनाओं के भविष्य पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के साथ उनकी बातचीत ने इस क्षेत्र में साझेदारी की कई चर्चाओं को हवा दी। फिर भी भारत में एआई की स्थिति अभी तक अस्पष्ट है। लगता है कि कंपनियों के निदेशक मंडलों में एआई पर गंभीर चर्चा बहुत कम हो रही है। इस क्षेत्र में काम कर रहे एक सलाहकर का कहना है कि भारतीय कंपनियां एआई में बड़ी रकम निवेश करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहीं। फिर भी बड़ी कंपनियां धीरे-धीरे ही सही एआई की दिशा में बढ़ रही हैं। कुछ कंपनियों ने अपने हरेक अधिकारी के लिए एआई का प्रशिक्षण लेना अनिवार्य कर दिया है। इनमें कुछ सबसे बड़ी कंपनियां भी शामिल हैं।

ऐपल और भारत से उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में इसकी बढ़ती हिस्सेदारी भी इस साल चर्चा का विषय रही। वर्ष 2022-23 में ऐपल ने फॉक्सकॉन और दूसरी कंपनियों द्वारा बनाए गए 5 अरब डॉलर के आईफोन निर्यात किए थे और अगले साल यानी 2023-24 में निर्यात का आंकड़ा दोगुना होकर 10 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अब इस बात पर नजर रहेगी कि ऐपल के पूरी दुनिया में होने वाले उत्पादन की तुलना में भारत में उत्पादन कैसा रहेगा और कहां तक बढ़ेगा।

इस साल आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या ने भी सुर्खियां बटोरीं। 2024 खत्म होने जा रहा है, इसलिए आंकड़ा शायद 100 तक नहीं पहुंच पाएगा। वैसे तो आंकड़ा बहुत बड़ा नहीं है मगर दक्षिण कोरियाई वाहन कंपनी ह्युंडै के आईपीओ ने तहलका मचा दिया। भारत के कारोबारी इतिहास का यह सबसे बड़ा आईपीओ रहा। इसके बाद दक्षिण कोरिया में मची राजनीतिक खलबली के बीच ही वहां की कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने भी आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा करा दिया। तो क्या अब सैमसंग भी इन दोनों के नक्शेकदम पर चलकर आईपीओ लाएगी? नए साल में रिलायंस जियो और फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी कंपनियां भी आईपीओ की तैयारी में जुट सकती हैं। ऐसा इत्तफाक आम तौर पर होता नहीं है, जब किसी देश के बड़े कारोबारी घराने अलग-अलग वजहों से एक साथ चर्चा में रहें। 2024 में देश के तीन सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अदाणी सुर्खियों में रहे। नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक बना रहे टाटा समूह ने सेमीकंडक्टर और सैन्य विमान विनिर्माण के नए कारोबारों में कदम रखा।

मगर उससे भी ज्यादा चर्चा रतन टाटा के निधन और टाटा ट्रस्ट्स की कमान उनकी जगह उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को दिए जाने की हुई। रिलायंस इंडस्ट्रीज गुजरात के जामनगर में आकाश अंबानी के भव्य ब्याह के लिए चर्चा में रही। अदाणी को सुर्खियां तब मिलीं, जब अमेरिकी पूंजी बाजार नियामक और न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट के अटॉर्नी कार्यालय से सौर ऊर्जा कारोबार के सिलसिले में उन पर हमले बोले गए। ये हमले राजनीतिक हलकों में भी गूंजते रहे।

गुजरते साल में चार बड़ी घटनाएं और हुई हैं, जिन्हें इस फेहरिस्त में ऊपर के दस नामों में डाला जाना चाहिए। उदाहरण के लिए विस्तारा का एयर इंडिया में विलय बड़ी घटना थी मगर अभी तक वह विस्तारा ही बनी हुई है। कोविड 19 के दौर में शुरू हुए वर्क फ्रॉम होम से पीछा छुड़ाने की तमाम कोशिशें की गईं मगर 2024 में भी इसने कंपनियों का पीछा नहीं छोड़ा। लक्जरी मकानों की कीमतें तो उतनी हो गईं, जितनी बड़ी कंपनियों के आला अफसरों का वेतन होता है। आईआईटी से निकले एक स्नातक को करियर की शुरुआत में ही लगभग 4 करोड़ रुपये सालाना का वेतन ऑफर किया गया, जो पहली नौकरी के लिहाज से अब तक का सबसे अधिक वेतन है। आखिर में इस साल के बजट में घोषित आम आदमी के काम की दो बड़ी योजनाएं इंटर्नशिप योजना और 70 साल से अधिक उम्र वालों के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू कर दी गईं मगर दोनों ही कोई धमाका नहीं कर सकीं। अब सरकार दोनों योजनाओं को दुरुस्त करने में जुटी है ताकि इनका ज्यादा असर हो सके।

वृद्धि और महंगाई में नाजुक संतुलन

पिछले तीन साल के दौरान सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी में 8 प्रतिशत सालाना से ऊपर की वृद्धि हासिल करने के बाद अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में केवल 5.4 प्रतिशत वृद्धि दर्ज कर पाई। पिछली सात तिमाहियों में यह वृद्धि का सबसे कम आंकड़ा रहा। इस तिमाही में आर्थिक सुस्ती का अंदाजा तो लगाया जा रहा था मगर इतनी सुस्ती का अनुमान तो बाजार भी नहीं लगा पाया था। लगभग उसी समय अक्टूबर में खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों के कारण मुद्रास्फीति की दर 6 प्रतिशत के सहज दायरे से ऊपर निकल गई।

खाद्य मूल्यों में लगातार उछाल ने मुख्य मुद्रास्फीति पर असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसलिए हैरत नहीं हुई, जब राजनीतिक हलकों से दर कटौती का इशारा आने के बाद भी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुख्य मुद्रास्फीति लक्ष्य पर ही ध्यान दिया और दरें जस की तस रखीं। दूसरी तिमाही में मंद वृद्धि से प्रश्न उठता है कि यह एकबारगी फिसलन थी या लगातार तिमाहियों में वृद्धि दर घटते रहने से मान लिया जाए कि बुनियादी तौर पर मंदी आ रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में केवल 6 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है और अगली दो तिमाहियों में इसके रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। इसके बाद भी भारतीय रिजर्व बैंक ने वृद्धि का अपना अनुमान 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया।

वृद्धि में सुस्ती और मुद्रास्फीति में उछाल के कारण एमपीसी को अब भी तलवार की धार पर चलना पड़ रहा है यानी नाजुक संतुलन बिठाने की कवायद अब भी जारी है। गिरती वृद्धि को पटरी पर लाने के लिए दरों में कटौती शुरू करना जरूरी है और कुछ वर्गों से कहा भी जा रहा है कि रिजर्व बैंक को शीर्ष मुद्रास्फीति के बजाय मुख्य मुद्रास्फीति पर निशाना साधना चाहिए। मगर रिजर्व बैंक शीर्ष मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत पर बांधने का संकल्प दोहरा चुका है और इसीलिए वह ढिलाई नहीं बरत सकता। इसलिए हैरत नहीं हुई, जब एमपीसी ने बहुमत वाला निर्णय लेते हुए नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया मगर नकद आरक्षी अनुपात (सीआरआर) को दो किस्तों में 25-25 आधार अंक कम करने की बात कही। यह कमी 14 दिसंबर और 28 दिसंबर को की जाएगी, जिसका मकसद पर्याप्त तरलता बनाए रखना है।

इस फैसले से साफ संकेत मिलता है कि केंद्रीय बैंक के नीति संबंधी रुख में वृद्धि अहम है। सीआरआर कटौती से नकदी की स्थिति सुधरेगी, जो कर भुगतान के कारण तंग हो गई थी। साथ ही इससे बाकी दो तिमाहियों में सरकार के बढ़े पूंजीगत व्यय के लिए रकम भी आसानी से उपलब्ध हो सकती है। विनिर्माण में निवेश वापस लाने के लिए यह बहुत जरूरी है। लेकिन दरों में कटौती का सिलसिला हाल फिलहाल शुरू होता नहीं दिखता। वर्तमान स्थिति में नीतिगत प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि इसे फौरी तौर की परेशानी माना जा रहा है या किसी बड़ी परेशानी की जड़ें जमने का संकेत समझा जा रहा है। रिजर्व बैंक के नीतिगत बयान में इस स्थिति को 'वृद्धि और मुद्रास्फीति के रास्ते से विचलन' बताया गया है। ऐसा मानने की वजहें भी हैं। मगर खनन तथा विनिर्माण क्षेत्रों में मूल्य वर्द्धन में आई तेज गिरावट चिंता का विषय है। इसी गिरावट की वजह से इन दोनों प्राथमिक क्षेत्रों की वृद्धि कम रही है। कृषि क्षेत्र में मूल्य वर्द्धन अच्छी बारिश के बाद भी 3.5 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 1.7 प्रतिशत और पिछली तिमाही में 2 प्रतिशत बढ़ा था। इसे समझना और समझाना आसान नहीं है। इसकी वजह अनियमित बारिश मानी जा सकती है, जिसके कारण सब्जियों और फलों का उत्पादन कम हो गया।

इसी तरह विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि की दर दूसरी तिमाही में घटकर 2 प्रतिशत रहने पर ताज्जुब होना चाहिए क्योंकि इस तिमाही के दौरान परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स में महीना दर महीना सुधार देखा गया था। निर्माण जैसे क्षेत्र में भी केवल 7.1 प्रतिशत वृद्धि हुई, जहां साल भर पहले दो अंकों में वृद्धि देखी गई थी।

मांग की बात करें तो खाद्य मूल्यों में उछाल आने के कारण निजी खपत में सुस्ती दिखी होगी और सरकार की खपत चुनावों के बाद रफ्तार पकड़ नहीं पाई है। लेकिन बड़ी वजह निवेश कम रहना थी। सकल स्थिर पूंजी सृजन में केवल 1.3 प्रतिशत इजाफा हुआ, जो कई तिमाहियों में सबसे कम वृद्धि दर थी और सार्वजनिक क्षेत्र के पूंजी सृजन में सुस्ती इसका मुख्य कारण रहा। केंद्र और राज्य सरकारें पूंजीगत व्यय के लिए चुनाव आचार संहिता खत्म होने का इंतजार करती रहीं।

दूसरी तिमाही में अपेक्षा से खराब वृद्धि के कारण ज्यादार विश्लेषकों ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि के अनुमान घटा दिए हैं। एमपीसी ने भी अनुमान कम कर दिया है। यह मानने के कारण हैं कि बाकी दो तिमाहियों में अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट सकती है और 6.8 प्रतिशत तथा 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। खरीफ फसलों की आवक ज्यादा है, जलाशय भी ऊपर तक भरे हैं तथा रबी का उत्पादन भी बेहतर रहने की संभावना है, इसलिए कृषि क्षेत्र से मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद लगाई जा सकती है। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीने में केंद्र सरकार ने बजट में तय पूंजीगत व्यय का केवल 37 प्रतिशत हिस्सा खर्च किया है और बचे हुए महीनों में अच्छा-खासा व्यय होने की उम्मीद है। इससे सकल मांग तो बढ़ेगी ही, निजी निवेश की आवक भी तेज होगी। उच्च आवृत्ति वाले संकेतक विनिर्माण को पटरी पर लौटता दिखा रहे हैं। सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि की रफ्तार बने रहने की उम्मीद है। किंतु यह समझना नासमझी होगी कि समस्या कुछ समय में गुजर जाएगी। अर्थव्यवस्था को विकसित देश का दर्जा हासिल करने के लायक बनाने के लिए अगले 23 साल तक कम से कम 8 प्रतिशत की औसत जीडीपी वृद्धि हासिल करनी होगी। इसके लिए निवेश को बढ़ाकर जीडीपी के 40 प्रतिशत पर लाना होगा, जो अभी 31-32 प्रतिशत ही है।

अर्थव्यवस्था को विदेश निवेश के लिए खोलने के साथ निवेशकों के लिए कर्ज की ऊंची लागत भी कम करना जरूरी है। इसके लिए मुद्रास्फीति की दर को नीचे लाना होगा ताकि दर कटौती शुरू हो सके। साथ ही सरकारी उधारी सीमित करने के लिए राजकोषीय सुधार भी लागू करने होंगे। इस तरह दूर की सोचने पर यह राजकोषीय सुधार करने, श्रम के अधिक इस्तेमाल वाले विनिर्माण को केंद्र में रखते हुए इनपुट सामग्री के बाजार का सुधार करने और अर्थव्यवस्था को अधिक विदेशी व्यापार तथा निवेश के लिए खोलने का एकदम सही समय है।

कोई अनहोनी नहीं हुई तो महंगाई के मोर्चे पर और भी खुशखबरी मिल सकती हैं, जिनसे फरवरी में नीतिगत दर घटाने का रास्त साफ हो जाएगा। कृषि उत्पादन बेहतर रहने से खाद्य कीमतें नीचे आने की संभावना है, जिससे शीर्ष मुद्रास्फीति के आंकड़े भी कम होंगे। दलहन और खाद्य तेलों की कीमतें भी कम हो सकती हैं। सर्दियों में सब्जियों के दाम भी घटने की उम्मीद है और उत्पादन बढ़ने से दलहन के भाव भी गिर सकते हैं। इन वजहों से भारत सबसे तेज वृद्धि करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था तो बना रह सकता है मगर विकसित भारत बनने की तमन्ना पूरी करने के लिए गंभीर व्यवस्थागत सुधार लागू करना जरूरी है।

सेवा बनाम मेवा

सम्मान अच्छे कार्यों की स्वीकृति होकर व्यक्ति की प्रशंसा का परिचायक है। अच्छी उपलब्धि और हितकारी कार्य करनेवाले के कार्य का एक सकारात्मक मूल्यांकन होता है । अपने-अपने क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने या विशिष्ट कार्य करने पर सभी प्रकार की संबंधित संस्थाएं, संगठन या प्रकल्प उपलब्धि प्राप्तकर्ता का व्यक्तिगत या उससे जुड़े समूह का सम्मान - अभिनंदन करते हैं । जैसा कि हम आए दिन देखते हैं। सार्वजनिक या सामाजिक रूप से यह सम्मान दोनों ओर के वातावरण में एक प्रकार से उत्साह का संचार करता है। सम्मान देने वाला जितना महत्त्वपूर्ण कार्य करता है, उससे अधिक सम्मान प्राप्त करने वाले का उत्साहवर्धन होता है। उसने जो कार्य किया है, सम्मान देने वालों की उसके प्रति निष्ठा और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रकट होता है जो अन्य के लिए भी प्रेरक होता है। उनमें भी अपने कार्य के प्रति लगन और उत्साह पैदा करता है । सम्मान, दोनों पक्षों में आत्मविश्वास बढ़ाता है, इसलिए सम्मान करना हमारे यहां की संस्कृति और परंपरा है।

सामाजिक हित, राष्ट्रहित, विशेष क्षेत्र या विशेष सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्य, प्राप्त की गई उपलब्धि या किए गए त्याग, जो समाज, देश और उस क्षेत्र को गौरव प्रदान करे, मानव जाति का भला करे, मार्गदर्शन करे, अन्य के लिए आदर्श और प्रेरक बने ऐसे व्यक्तित्व को चुनकर संस्था, संगठन, समाज, देश स्तर से लेकर विश्व स्तर तक सम्मान की परंपरा है और विशेष अवसरों पर सार्वजनिक रूप से सम्मान के लिए सम्मान समारोहों का आयोजन किया जाता है । समाज सेवा के क्षेत्र में कुछ व्यक्ति मौन रहकर कार्य करते हैं। ऐसे व्यक्ति जो उचित होता है, वैसा करते हैं, करते जाते हैं, वे किसी को बताते नहीं । अपने कार्य के अतिरिक्त समय में से समय निकाल कर भला कर सकने योग्य होते हैं। भले लोग भला करने में लग जाते हैं तो कुछ जीवनपर्यंत भले कार्य को अपना लेते हैं । जो ऐसे लोगों और उनके कार्य व्यक्तित्व की परख करते हैं, वे उन्हें प्रकाश में लाते हैं। मीडिया के माध्यम से या अन्य सम्मान करने योग्य संस्था को बताकर उनके महत्त्व को प्रकट करते हैं, सम्मान प्रदान करने के माध्यम से।

मगर इसमें अगर किसी कोण से स्वार्थ घुसता है तो व्यक्ति के चुनाव पर असर पड़ता है और फिर इसके बाद सम्मान की गरिमा भी प्रभावित होती है, क्योंकि जिस आम जनता को कई बार मासूम और निरपेक्ष समझ लिया जाता है, उसकी नजर सधी हुई होती है।

कुछ व्यक्ति या संस्थाएं मेवा के लिए सेवा करते हैं, ताकि अधिसंख्य लोग उनकी सेवा को ध्यान में रखकर उसको जानें-पहचानें और राजनीति में पद प्राप्ति का अवसर आने पर सेवा कार्य को भुनाकर पद प्राप्त कर सकें और सेवा का स्थायी पारिश्रमिक प्राप्त कर सकें। ऐसे में दूसरे भी उनकी सिफारिश कर सकें कि ये समाज सेवक हैं। ऐसे व्यक्ति सेवा के माध्यम से अपना निवेश करते हैं और अवसर आते ही कई गुना ज्यादा भुनाने की व्यवस्था कर लेते हैं। ऐसे व्यक्ति या ऐसी संस्थाएं लोकप्रियता के मामले में उच्च दर्जे पर बने रहते हैं । इस श्रेणी में अधिकांश स्वयंसेवी संगठन और सेवा के बदले लाभ का पद प्राप्त करने वाले लोग आते हैं। उनके कानों में इस तरह की लोकोक्तियां गूंजती रहती हैं, %करेंगे सेवा तो मिलेगा मेवा । % उनके लिए यह जरूरी भी होता है कि वे बताएं कि सेवा के क्षेत्र में उन्होंने किया क्या है ! या फिर यों ही वित्त पोषण प्राप्त करते रहते हैं और अपने लोगों या खुद को सम्मान दिलवाते रहते हैं । कुछ लोग लोकप्रियता की चर्चा या सुर्खियों में बने रहने के लिए भी सेवा कार्य करते हैं। उन्हें उसी में मजा आता है। यह उनकी जिजीविषा होती है और उनके लिए इतना ही पर्याप्त होता है ।

कहीं आपको तो नहीं सोशल मीडिया - रील्स देखने का एडिक्शन

रामी को जैसे ही घर के कामों से फुर्सत मिली, उसने अपना मोबाइल उठाया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जाकर रील्स देखना शुरू कर दिया। रील्स देखते-देखते कब एक घंटा गुजर गया, उसे पता ही नहीं चला। उसने सोचा था, बस दो चार रोल्स देखकर फिर अपने जरूरी काम करेगी। लेकिन एक घंटे से ज्यादा समय रोल्स देखते-देखते निकल गया। ईशानी को बहुत बुरा लगा कि उसने अपना इतना समय रील्स देखकर खराब कर दिया। लेकिन फिर शाम के वक्त थोड़ा खाली समय मिलने पर वह दोबारा रील्स देखने में मशगूल हो गई। वैसे इस तरह की समस्या से दो चार होने वाली सिर्फ हो नहीं है। आजकल हर दूसरा व्यक्ति सोशल मीडिया और रोल्स देखने के एडिक्शन के जाल में फँस गया है। आखिर क्या है, सोशल मीडिया और रील्स का एडिक्शन ? इसका शिकार होने पर किस तरह की समस्याएं लोगों के जीवन में आती है? इससे कैसे बचा जा सकता है? हमें जरूर जानना चाहिए।

क्या है सोशल मीडिया रील्स का एडिक्शन

आज दुनिया पूरी तरह से हाईटेक हो चुकी है। फोन के जरिए ही हम अपने बहुत से काम घर बैठे-बैठे कर लेते हैं। जैसे शॉपिंग करना, विल्स भरना। ऐसे जरूरी और समय लेने वाले काम आसानी से फोन के जरिए हो जाते हैं, जिससे लोगों के पास बहुत सारा समय बचता है। ऐसे में इस बचे हुए समय में वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्टिव हो जाते हैं। शुरुआत में थोड़ा ही समय इन प्लेटफॉर्म पर लोग बिताते हैं, लेकिन वक्त के साथ उन्हें सोशल मीडिया कंटेंट और रोल्स देखने का चस्का सा लग जाता है। रोल्स देखते-देखते, वे भूल जाते हैं कि अपना कितना समय बर्बाद कर चुके हैं। घर हो या ऑफिस, जरा सा खाली समय मिलते ही लोग रोल्स देखने में बिजी हो जाते हैं। धीरे-धीरे यह आदत कब एडिक्शन में बदल जाती है, लोगों को पता भी नहीं चलता है। क्या कहती है स्टडी पिछले साल सामने आई एक स्टडी के अनुसार छह में से एक भारतीय हर रोज लगभग डेढ़ घंटा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गुजारता है, इसमें भी अधिक समय वह रोल्स देखने में गुजार देता है। सोचने और चिंता करने वाली बात है कि सिर्फ रील्स देखने में ही हर रोज एक घंटे से अधिक का समय लोग सोशल मीडिया पर बर्बाद करते हैं और इसके बदले में कोई पॉजिटिव रिजल्ट भी उनको नहीं मिलता है।

जनगणना को लेकर प्रशिक्षण शुरू, जल्द ही आपके घर पर दस्तक देगी टीम

इंदौर। जनगणना 2027 के सफल और सटीक संचालन के लिए इंदौर जिले में फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी किए गए विशेष निर्देशों के पालन में इंदौर जिले में तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का खाका तैयार किया गया है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को त्रुटिहीन तरीके से संपन्न कराना है। दो चरणों में होगा प्रशिक्षण

अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम शासकीय होलकर साइंस कॉलेज में आयोजित किया जा रहा है। कॉलेज का परिसर ए.बी. रोड स्थित भंवरकुआं चौराहे के पास है। कार्यक्रम को दो चरणों में विभाजित किया गया है। पहला चरण आज 24 मार्च से शुरू होकर 26 मार्च 2026 तक चलेगा, जिसमें मुख्य रूप से नगर निगम एवं बाह्यवृद्धि क्षेत्रों के ट्रेनर्स शामिल होंगे। इसके पश्चात दूसरा चरण 28 मार्च से 30 मार्च 2026 तक आयोजित होगा, जो जिला स्तर के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए निर्धारित किया गया है।

हर दिन होंगे तीन बैच- प्रशासनिक योजना के अनुसार, इस पूरे कार्यक्रम के दौरान कुल 129 फील्ड ट्रेनर्स को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इन्हें अलग-अलग बैचों में बांटा गया है। प्रत्येक दिन तीन बैच संचालित होंगे, जिनमें प्रति बैच लगभग 28 प्रतिभागी शामिल होंगे। वहीं, जिला स्तरीय सत्रों के लिए दो बैच बनाए गए हैं, जिनमें 23-23 प्रतिभागियों को बारीकियों से अवगत कराया जाएगा।

कॉलेज परिसर में ही की सभी व्यवस्थाएं- शिक्षण कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए होलकर साइंस कॉलेज के कक्ष क्रमांक बी-101, बी-102 एवं बी-103 को विशेष रूप से आरक्षित किया गया है। अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी ने कॉलेज प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रशिक्षण स्थल पर सभी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध हों। इसमें बैठने के लिए टेबल-कुर्सी, तकनीकी सहायता के लिए प्रोजेक्टर और कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ-साथ पेयजल और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है।

दुष्कर्म के आरोप में डॉक्टर गिरफ्तार

इंदौर। महू के पातालपानी रिसॉर्ट में एक डॉक्टर को हिंदूवादी संगठन के पदाधिकारियों ने एक युवती के साथ आपत्तिजनक अवस्था में पकड़ा। डॉक्टर को पुलिस के हवाले कर दिया, लेकिन नाराज लोगों ने डॉक्टर के क्लीनिक और घर में आग लगा दी। इसके बाद पुलिस ने आग लगाने के मामले में केस दर्ज कर दिया। इससे नाराज ग्रामीणों ने महू रोड पर वाहनों को रोकना शुरू कर दिया। वे प्रकरण दर्ज करने का विरोध कर रहे थे। गुर्जरखेड़ा निवासी डॉक्टर सईद खान पर आरोप है कि उसने युवती को नशे का इंजेक्शन दिया और उसके साथ गलत हरकत की। उसने युवती का वीडियो बना लिया था और उसे ब्लैकमेल कर रहा था। डॉक्टर ने युवती को पातालपानी के रिसॉर्ट में आने के लिए भी दबाव बनाया था। इसकी जानकारी मिलने के बाद हिंदू संगठन के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने युवती के साथ डॉक्टर को रंगे हाथों पकड़ लिया। पहले उसकी धुनाई की और फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया।युवती के परिजनों को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने डॉक्टर के घर पर धावा बोला और तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पुलिस ने डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया, लेकिन इसके साथ ही उसके घर पर आग लगाने वालों के खिलाफ भी केस दर्ज कर लिया।

इसके बाद ग्रामीणों ने महू के किशनगंज रेलवे ब्रिज पर वाहनों को रोकना शुरू कर दिया। वहां पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भी जुट गए और हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। पुलिस भी मौके पर पहुंची और जाम खुलवा कर ट्रैफिक बहाल करने की कोशिश करती रही।

इंदौर में डा. हेडगेवार स्मारक समिति के स्थापना दिवस पर स्वयंसेवकों ने लिया समयदान का संकल्प

इंदौर। डा. हेडगेवार स्मारक समिति के स्थापना दिवस एवं नववर्ष के उपलक्ष्य में सुदर्शन भवन, पंत वैद्य कॉलोनी में वरिष्ठ स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण और शताब्दी वर्ष के निमित्त समय समर्पण भाव जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समिति के विभिन्न सेवा प्रकल्पों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मालवा प्रांत के बौद्धिक प्रमुख सुनील बागुल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज वही अपनाता है जो वह देखता है और स्वयंसेवकों के आचरण से समाज को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि संघ की सेवा गतिविधियां समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम हैं और शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित पथ संचलन एवं हिंदू सम्मेलन इसकी जीवंत मिसाल हैं।

समिति के अध्यक्ष ईश्वर हिंदुजा और मंत्री राकेश कुमार यादव ने बताया कि वर्षप्रतिपदा और स्थापना दिवस के अवसर पर हर वर्ष वरिष्ठ स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण किया जाता है, जिसमें सेवा कार्यों में समयदान का संकल्प लिया जाता है। इस वर्ष भी सैकड़ों स्वयंसेवकों ने सेवा प्रकल्पों के लिए अपना समय समर्पित करने का संकल्प लिया।

उपाध्यक्ष रुपेश पाल ने समिति द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि हरसिद्धि में फिजियोथेरेपी केंद्र, रामबाग स्थित अर्चना कार्यालय में एक्युप्रेशर चिकित्सा केंद्र तथा पलासिया में 'संकल्प' के माध्यम से पीएससी परीक्षा की तैयारी करवाई जाती है। इसके अलावा स्वास्थ्य शिविर, योग शिविर और रक्तदान शिविर जैसी गतिविधियां वर्षभर संचालित होती हैं। आगामी समय में समिति द्वारा लाइब्रेरी, परिवार परामर्श केंद्र, करियर मार्गदर्शन केंद्र और योग केंद्र शुरू करने की योजना भी बनाई गई है। कार्यक्रम के दौरान संत शिरोमणि रविदास जी के 650वें प्राकट्य वर्ष के अवसर पर समरस समाज के निर्माण का संकल्प भी दिलाया गया। हाल ही में समालखा में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में दिए गए सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के संदेश का वाचन करते हुए स्वयंसेवकों को समाज की एकात्मता और समरसता के लिए कार्य करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में पिछले वर्ष दिवंगत स्वयंसेवकों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई और संचालन उमेश वर्मा ने किया।

नवरात्रि में पनीर की जगह भेज दिया चिकन, ऑनलाइन फूड ऐप पर फूटा ब्राह्मण परिवार का गुस्सा

इंदौर। गुलाबबाग क्षेत्र में रहने वाले एक मोबाइल व्यवसायी राहुल तिवारी के साथ ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप की बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। पीड़ित ने नवरात्रि के पावन पर्व पर एक प्रतिष्ठित फूड डिलीवरी ऐप के माध्यम से शुद्ध शाकाहारी भोजन का ऑर्डर दिया था, लेकिन पार्सल में नॉनवेज डिश निकलने से हड़कंप मच गया। इस घटना से व्यवसायी का पूरा परिवार आहत है और उन्होंने इसे अपनी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ बताया है।

पूजा के समय पहुंचा नॉनवेज पार्सल- राहुल तिवारी के अनुसार रविवार शाम को उनके घर में नवरात्रि की विशेष पूजा और अनुष्ठान चल रहा था। इसी दौरान उन्होंने फूड डिलीवरी ऐप के जरिए वेज कॉम्बो पैक का ऑर्डर दिया, जिसमें रोटी, बटर पनीर और चावल के साथ चिली पनीर शामिल था। इसके लिए उन्होंने 363 रुपए का ऑनलाइन भुगतान भी किया था। ऑर्डर देने के लगभग 15 मिनट बाद ही पार्सल घर पहुंच गया, लेकिन जैसे ही परिवार ने चिली पनीर का डिब्बा खोला, वहां पनीर की जगह चिली चिकन निकला।

रेस्टोरेंट प्रबंधन ने पार्सल वापस लेने से किया इनकार- घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने संबंधित ऐप पर शिकायत दर्ज कराई, जिस पर कंपनी ने पैसे तो रिफंड कर दिए, लेकिन परिवार की मानसिक शांति भंग हो चुकी थी। जब राहुल ने महालक्ष्मी नगर स्थित संबंधित रेस्टोरेंट नाइट किंग से संपर्क किया, तो प्रबंधन ने इसे महज एक मानवीय चूक बताया। हैरानी की बात यह रही कि जब पीड़ित ने रेस्टोरेंट से अपना नॉनवेज पार्सल वापस ले जाने को कहा, तो प्रबंधन ने साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद परिवार को वह पैकेट घर से बाहर फेंकना पड़ा।

पुलिस में शिकायत की, अब कंज्यूमर फोरम जाने की तैयारी- ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखने वाले राहुल तिवारी ने सोमवार को लसूड़िया थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान इस तरह की गलती को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीड़ित अब इस मामले को उपभोक्ता फोरम (कंज्यूमर फोरम) में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं ताकि भविष्य में किसी और के साथ ऐसा न हो। लसूड़िया पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है और संबंधित पक्षों से पूछताछ की जा सकती है।

पैरोल पर छूटा आसाराम, इलाज के लिए आया जोधपुर से इंदौर

इंदौर। नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहा आसाराम सोमवार रात जोधपुर से इंदौर पहुंचा। शाम को जोधपुर से आई उड़ान इंदौर पहुंची और आसाराम व्हीलचेयर पर सवार होकर एयरपोर्ट से बाहर निकला। आसाराम के आने की सूचना उसके अनुयायियों को थी। इस कारण वे भी एयरपोर्ट पर पहुंच गए थे और आसाराम से मिलने की कोशिश करने लगे। कुछ इसमें सफल भी रहे, लेकिन पुलिस अभिरक्षा में होने के कारण ज्यादा अनुयायी पास नहीं आ सके। इसके बाद एक कार में सवार होकर आसाराम अपने खंडवा रोड स्थित आश्रम पहुंचा। संभवतः मंगलवार को आसाराम इंदौर के सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल जाकर अपनी जांचें कराएगा। उसे श्वास संबंधी बीमारी है। छह माह पहले भी आसाराम करीब पांच दिन इंदौर में रुका था और उसने अपना इलाज कराया था।

आश्रम में रहने के दौरान प्रवचन देने का मामला भी सामने आया था, लेकिन उसके अनुयायियों ने इसकी पुष्टि नहीं की थी।86 वर्षीय आसाराम वर्ष 2013 से जोधपुर जेल में बंद है। उसके खिलाफ जब केस दर्ज हुआ था तो वह अपने अहमदाबाद आश्रम से भाग कर इंदौर आ गया था। जोधपुर पुलिस उसे गिरफ्तार करने इंदौर आई थी। दरअसल इंदौर में भी आसाराम का बड़ा आश्रम है और इंदौर व आसपास के शहरों में आसाराम के बड़ी संख्या में अनुयायी हैं।

कमर्शियल गैस सिलिंडर की नई व्यवस्था लागू: अस्पतालों-स्कूलों को मिलेगी प्राथमिकता, जानें होटलों-ढाबों का कोटा

इंदौर। मध्य प्रदेश में कमर्शियल एलपीजी सिलिंडरों की कालाबाजारी रोकने और समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने नई व्यवस्था लागू कर दी है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को इस संबंध में कड़े निर्देश जारी किए हैं। नई व्यवस्था के तहत अब प्राथमिकता के आधार पर गैस सिलिंडरों का आवंटन किया जाएगा।

किसे कितना मिलेगा कोटा- जारी निर्देशों के अनुसार, कमर्शियल एलपीजी की वर्तमान खपत और आवश्यक सेवाओं को देखते हुए आवंटन का प्रतिशत निर्धारित किया गया है-

35% आवंटन- आवश्यक सेवाएं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, जेल, सामाजिक न्याय विभाग, एयरपोर्ट, रेलवे और दीनदयाल रसोई।

30% आवंटन- शैक्षणिक संस्थाएं और चिकित्सा संस्थान (अस्पताल)।

18त्न आवंटन- होटल, रेस्टॉरेंट और केटर्स (9-9 प्रतिशत)।

7% आवंटन- ढाबा और स्ट्रीट फूड वेंडर्स।

10% आवंटन- फार्मास्यूटिकल, फूड प्रोसेसिंग जैसे उद्योग और अन्य विशेष प्रकरण।

जमाखोरी रोकने के लिए OMC सॉफ्टवेयर का सहारा- मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने स्पष्ट किया कि जमाखोरी और अवैध भंडारण को रोकने के लिए अब तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। प्रत्येक उपभोक्ता को मिलने वाली दैनिक गैस की मात्रा, संबंधित ओएमसी सॉफ्टवेयर में दर्ज पिछले तीन महीनों की औसत खपत के आधार पर तय होगी। ऑइल कंपनियां ऑनलाइन बुकिंग का तिथिवार रिकॉर्ड रखेंगी और पेंडिंग बुकिंग को अगले दिन प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा।

कलेक्टर्स करेंगे निगरानी, कम वजन देने पर होगी कार्रवाई

जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित निरीक्षण करें। यदि कहीं भी सिलिंडरों का डायवर्जन, कम तौल या कालाबाजारी पाई जाती है, तो तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए।

महिला सम्मान का असली अर्थ तब होगा जब महिलाओं के खिलाफ अपशब्द बंद होगा' : एआईजी सुश्री सिंह

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग का 28वां स्थापना दिवस समारोह मंगलवार को गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। राज्य शासन द्वारा 23 मार्च 1998 को मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की स्थापना की गई थी। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई।

एआईजी महिला सुरक्षा शाखा सुश्री बीना सिंह, ने कहा कि आज समाज में महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण तेजी से बदल रहा है। अब लगभग सभी विभागों में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है और वे हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी दर्ज करा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन महिलाओं के खिलाफ बोले जाने वाले अपशब्द बंद हो जाएंगे, उसी दिन वास्तविक अर्थों में महिला सम्मान स्थापित होगा।

आयोग के सचिव श्री सुरेश तोमर ने कहा कि लैंगिक भेदभाव, पितृसत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था और घरेलू हिंसा जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग तथा अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती नकी जहां कुरैशी, क्क्रस्॥ की विशेषज्ञ श्रीमती भावना त्रिपाठी और शिखा छिब्बर, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, जवाहर बाल भवन के बच्चे तथा आयोग कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह में विशेष रूप से उन पुरुषों को भी सम्मानित किया गया, जो समाज में जेंडर समानता के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस क्रम में उदय सामाजिक संस्था के श्री सोनू सोलंकी, आरंभ संस्था के श्री विजय यादव, श्री रोहित बेड़िया और श्री जितेन्द्र राजाराम को लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा के विरुद्ध जागरूकता, सेनेटरी नैपकिन उपलब्धता तथा बेड़िया समुदाय की महिलाओं के उत्थान के लिए किए गए विशेष कार्यों के लिए महिला आयोग द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने महिला अधिकारों की सुरक्षा और समाज में समानता की भावना को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में 128 प्रतिशत की वृद्धि के साथ देश में प्रथम स्थान पर है मध्यप्रदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। विगत वर्षों में अभियान के दो चरणों में प्रदेश में 6 हजार 393 अमृत सरोवरों में पहले चरण में 5 हजार 839 अमृत सरोवर बनाए गए हैं। वहीं दूसरे चरण में 554 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इस प्रकार अभियान के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हैं।

मध्यप्रदेश मिशन अमृत सरोवर के तहत देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहले स्थान पर है। इसकी जानकारी आईआईटी दिल्ली और ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से संचालित भू प्रहरी परियोजना की रिपोर्ट से आई है। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य तालाबों के औसत सतह क्षेत्र में वृद्धि के मामले में देश में प्रथम स्थान पर है। पिछले दो वर्षों में प्रदेश में अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में 128.714 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो राष्ट्रीय औसत 11.27 प्रतिशत से कहीं अधिक है।

भारत सरकार ने मध्यप्रदेश में बने अमृत सरोवरों की आधुनिक तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सैटेलाइट, SONAR और LiDAR के माध्यम से न केवल तालाबों के औसतन सतह क्षेत्र बल्कि जल की कुल मात्रा (वॉल्यूम) का भी आकलन किया गया। जिसमें सामने आया कि मानसून के दौरान जल संचयन क्षमता में सुधार हुआ है और सूखा-प्रवण एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में भी गर्मियों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। सतह क्षेत्र में वृद्धि का सकारात्मक प्रभाव भूजल पुनर्भरण पर भी पड़ा है, जिससे आसपास के कुओं और ट्यूबवेल का जल स्तर बढ़ा है। साथ ही, सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ने से किसानों की आजीविका में सुधार हो रहा है।

मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद के आयुक्त श्री अवि प्रसाद ने बताया है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रदेश में अमृत सरोवरों के निर्माण के लिए स्थानों का चयन वैज्ञानिक पद्धति से किया गया है। इसके लिए सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया। जिसके माध्यम से भूविज्ञान, कंटूर, जल निकासी नेटवर्क, मिट्टी के प्रकार और भूमि का उपयोग जैसे विभिन्न डेटा लेयर्स का एकीकृत विश्लेषण किया गया। इस प्रक्रिया के जरिए ऐसे उपयुक्त स्थानों का चयन किया गया, जहां जल संरक्षण और संचयन को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। यह पहल प्रदेश में जल प्रबंधन को वैज्ञानिक और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

परीक्षा, जीवन का निर्धारण नहीं करती बल्कि सतत् सीखने की ओर अग्रसर करती हैं : मंत्री श्री परमार

भोपाल। परीक्षा, जीवन का निर्धारण नहीं करती बल्कि सतत् सीखने की ओर अग्रसर करती हैं। सीखना, मानव जीवन में स्वाभाविक रूप से निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, इसलिए परिणाम को लेकर तनावग्रस्त नहीं बल्कि सतत् सीखते रहने की ओर अग्रसर रहना चाहिए। परीक्षा अवधि के दौरान विद्यार्थी तनाव से मुक्त रहकर, सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ स्वस्थ मन से परीक्षाओं की तैयारी करें, इससे परिणाम भी सकारात्मक ही आयेगा। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने, विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए तनाव प्रबंधन पर आधारित मनोबल सत्र के समापन अवसर पर, मंगलवार को भोपाल में मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर सहभागिता कर कही। मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों से परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन के संदर्भ में, उनकी जिज्ञासाओं के समाधान के आलोक में सार्थक संवाद कर उनका मनोबलवर्धन किया।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारतीय परम्परा में एकाग्रता के लिए ध्यान का महत्व रहा है। विद्यार्थियों को अपनी दिनचर्या में ध्यान को सम्मिलित करना चाहिए, इससे एकाग्रता बढ़ेगी और सीखने की क्षमता भी बढ़ेगी। मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि किसी भी तरह के तनाव की स्थिति में, अपने से जुड़े किसी भी साथी, परिजन अथवा गुरुजन से संवाद कर अपनी मनोस्थिति साझा करें। संवाद करने से समाधान निकलता है और मन का बोझ कम होता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि सोशल मीडिया का अपनी आवश्यकता अनुरूप ही उपयोग करें, इससे भी मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों में तनाव प्रबंधन के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा काउंसलर्स का प्रबंधन किया जा रहा है। विद्यार्थी, न केवल परीक्षा अवधि के दौरान बल्कि किसी भी अवधि में इनसे परामर्श लेकर मानसिक स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ, खेल जैसी विविध महाविद्यालयीन गतिविधियों में भी प्रतिभागिता करनी चाहिए, इससे तनाव से दूर रहने में स्वतः सहायता मिलेगी। मंत्री श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों के प्रवेश से लेकर परिणाम तक, विद्यार्थियों के प्रश्नों के समाधान के लिए आवश्यक संवाद के संबंध में सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है।

मनोबल सत्र कार्यक्रम के समापन सत्र में विषयविद प्रो. विनय मिश्रा ने, परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों के तनाव से जुड़े विभिन्न प्रश्नों का समाधान भी सुझाया। प्रो. मिश्रा ने विद्यार्थियों को ओवरथिंकिंग, फेल होने के डर और तुलना करने से बचने को कहा। प्रो. मिश्रा ने विद्यार्थियों को अपना ध्यान, परफेक्शन पर न रखकर प्रोगेस पर रखने का सुझाव दिया। प्रो. मिश्रा ने समय प्रबंधन, स्टडी हैबिट्स, ध्यान, प्राणायाम, तनाव साझा करने और विचार प्रबंधन सहित विभिन्न पहलुओं पर आवश्यक एवं महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

सिर से पांव तक की आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है आंवला, यहां जानें चटपटी आंवला लौंजी की रेसिपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंवला को विंटर सुपरफूड के नाम से जाना जाता है। महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर आंवला ठंड में आपके लिए कई रूपों में सहायक होता है। सर्दी में होने वाले सर्दी-खांसी के संक्रमण, वायरल, त्वचा से जुड़ी समस्याओं से लेकर बालों की सेहत को बनाए रखने में इसका बड़ा योगदान है। इसके साथ ही यह डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं को भी कंट्रोल कर सकता है। अगर आप भी इतने सारे लाभों और इम्युनिटी बूस्ट करने के लिए आंवला को अपनी डाइट में शामिल करना चाहती हैं, तो हमारे पास एक टेस्टी रेसिपी है। तो फिर बिना देर किए हो जाइए तैयार आंवला की खट्टी-मीठी लौंजी बनाने के लिए।

आपके स्वाद और सेहत दोनों का ध्यान रखते हुए हम लेकर आएं हैं, खट्टी मीठी आंवला लौंजी की लाजवाब रेसिपी। तो बिना देर किए फटाफट से नोट करें आंवला लौंजी की चटपटी रेसिपी।

इसे बनाने के लिए आपको चाहिए

आंवला - 8-10 (छोटे टुकड़ो में कटे हुए)
सरसों का तेल - 2 चम्मच
सौंफ - 1 चम्मच
मेथी दाना - ¼ चम्मच
धनिया के बीज - ½ चम्मच
गुड़ (क्रश किया हुआ) - 2 कप
कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर - ½ चम्मच
काली मिर्च पाउडर - ½ चम्मच
हल्दी पाउडर - ½ चम्मच
धनिया पाउडर - 1 चम्मच
नमक (स्वादानुसार)
काला नमक - (स्वादानुसार)
भुना हुआ जीरा पाउडर - ½ चम्मच
गरम मसाला - ½ चम्मच

इस तरह तैयार करें आंवला की लौंजी

सबसे पहले किसी बर्तन में पानी को उबालने के लिए चढ़ा दें। फिर उसमें आंवला डालें और इसे कम से कम 10 मिनट तक पानी में उबलने दें।

फिर इसे बाहर निकालें और जब यह ठंडा हो जाए तो इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

अब एक कड़ाही या नॉन स्टिक पैन को मध्यम आंच पर चढ़ा दें। इसमे सरसों का तेल डालें। जब यह गर्म हो जाये तो सौंफ, मेथी दाना, धनिया के बीज डाल दें अब सभी को अच्छी तरह रोस्ट करें।

कढ़ाई में आंवला के टुकड़ों को डाल दें फिर ऊपर से हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालें। सभी को अच्छी तरह मिलाएं।

अब स्वादानुसार नमक डालें फिर ऊपर से थोड़ा काला नमक डाल दें। अब इन सभी को अच्छी तरह मिला लें।

मिठास के लिए इसमें कसा हुआ गुड़ डालें। जब तक गुड़ पिघल न जाए इसे मध्यम आंच पर 5 से 6 मिनट तक पकाएं।

अब यदि इसकी कंसिस्टेंसी पतली है तो इसे गाढ़ा होने तक कुक करती रहें। जब यह गाढ़ा हो जाए तो फ्लेम को बंद कर दें और इसे बाउल में निकाल कर ठंडा करें और 2 दिन तक सेट होने के लिए छोर दें।

आपकी खट्टी मीठी आंवला लौंजी बनकर तैयार है। इसे किसी ग्लास कंटेनर में बंद करके रख लें।

युवा जोश के दम पर 17 साल का सूखा खत्म करने उतरेगी राजस्थान, रियान पराग को करना होगा कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले सीजन का खिताब जीतने वाली राजस्थान रॉयल्स में काफी कुछ बदला है, लेकिन नहीं बदल तो उसका भाग्य। 2008 के बाद से ये टीम एक भी बार खिताब नहीं जीत पाई है। 2022 में इस टीम ने फाइनल खेला था जिसमें उसे हार मिली थी। इस सीजन टीम की कमान युवा रियान पराग के हाथ में हैं। पहला सीजन जीतने वाली टीम के सदस्य रहे रवींद्र जडेजा वापस टीम में आए हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि राजस्थान इस बार सूखा खत्म कर देगी। इस बार टीम के साथ संजू सैमसन नहीं होंगे। वह चेन्नई सुपर किंग्स में चले गए हैं। बल्लेबाजी में दारोमदार युवा वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल पर होगा। टीम के पास कुछ और जाने-माने खिलाड़ी हैं जिनमें जोफ्रा आर्चर, ध्रुव जुरैल, शिमरॉन हेटमायर जैसे खिलाड़ी हैं। आइए जानते हैं क्या है टीम की ताकत और कमजोरी।

ताकत- इस सीजन टीम की ताकत उसकी तूफानी बल्लेबाजी है। इस टीम की बल्लेबाज निडर हैं और यही इसे खतरनाक भी बनाता है। वैभव सूर्यवंशी जिस अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं उसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। ओपनिंग में उनका साथ देने के लिए यशस्वी हैं। इस बल्लेबाज ने शुरू से ही अपनी छाप छोड़ी है। ये जोड़ी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को परेशान कर सकती है। मिडिल ऑर्डर की जिम्मेदारी कप्तान रियान पराग पर है जिसमें उनका साथ देंगे ध्रुव जुरैल। बीते सीजनों में जुरैल ने भी आतिशी अंदाज दिखाया है। फिनिशर के तौर पर टीम के पास हेटमायर हैं। वहीं यहां सभी की नजरें लुहान डी प्रीटोरियस पर भी होंगी जो अपनी तूफानी बल्लेबाजी के चलते ही इस टीम में आए हैं। रवींद्र जडेजा का अनुभव भी टीम की बल्लेबाजी को मजबूती देगा और गहराई प्रदान करेगा। कमजोरी- इस टीम की कमजोरी अगर देखी जाए तो गेंदबाजी नजर आती है। आर्चर बेशक टीम में हैं लेकिन उनके साथ समस्या निरंतरता और चोटों की हैं। आईपीएल के सबसे सफल गेंदबाजों में शुमार संदीप शर्मा भी इस टीम का हिस्सा हैं और डैथ ओवरों में वह टीम की जान होंगे, लेकिन इन दोनों के अलावा टीम के पास कोई ऐसा तेज गेंदबाज नहीं है जिस पर भरोसा जताया जा सके। स्पिन में जडेजा हैं और उनका साथ देने के लिए रवि बिश्नोई हैं।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया का एलान, अनुष्का शर्मा को डेब्यू का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर होने वाली आगामी पांच मैचों की टी20I सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का एलान कर दिया है। युवा ऑलराउंडर अनुष्का शर्मा को पहली बार नेशनल टीम में शामिल किया गया है। वहीं, हरमनप्रीत कौर टीम की कमान संभालना जारी रखेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगी। टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, भारती फुलमाली, उमा छेत्री और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष के रूप में एक मजबूत बैटिंग क्रम शामिल हैं।

22 साल की युवा ऑलराउंडर अनुष्का शर्मा को पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली है। उन्होंने WPL में गुजरात जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, जहां डेब्यू पर, उन्होंने यूपी वॉरियर्स के खिलाफ नंबर 3 पर 30 गेंदों में 44 रनों की तूफानी पारी खेली, जिससे डब्ल्यूसीएल सीजन में गुजरात जायंट्स की पहली शुरुआती जीत की नींव रखी गई। उन्होंने 129.19 की स्ट्राइक रेट से 177 रन बनाए थे। हालांकि, गुजरात जायंट्स की टीम का सफर दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के दौरान प्लेऑफ में ही खत्म हो गया था।

कौन बार- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली सीरीज का हिस्सा रहीं अनुभवी स्पिनर स्नेह राणा और ऑलराउंडर अमनजोत कौर को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है। इनके अलावा युवा खिलाड़ी वैष्णवी शर्मा और जी. कमलिनी को भी बाहर रखा गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज उमा छेत्री की टीम में वापसी हुई है।

डायबिटीज रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद है चौलाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। डायबिटीज रोगियों के लिए चौलाई का सेवन काफी लाभकारी साबित हो सकता है। चौलाई में मौजूद तत्व डायबिटीज रोगियों में इंसुलिन के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद करते हैं। हाल ही में एक शोध में यह पाया गया है कि अगर डायबिटीज के मरीज रोजाना 20 ग्राम चौलाई का सेवन करें, तो इससे ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। चौलाई एक ग्लूटेन फ्री अनाज है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, आयरन और फाइबर अच्छी मात्रा में होता है। चौलाई शरीर में इंसुलिन के स्तर को कम करता है। इसके साथ ही है भूख को भी कंट्रोल में रखता है। चौलाई खाने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। यह न सिर्फ डायबटीज में फायदेमंद है, बल्कि वजन घटाने में भी मदद करता है। चौलाई हमारे दिल की सेहत को भी दुरुस्त रखता है। चौलाई का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल कम होता है। इसे खाने से हड्डियां मजबूत बनती हैं और कब्ज में भी लाभ होता है। चौलाई का सेवन हमारी स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है।

मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को हराकर जीता लीग कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस सीजन की पहली बड़ी घरेलू ट्रॉफी मैनचेस्टर सिटी के नाम हो गई है। रविवार रात सिटी ने इंग्लिश लीग कप के फाइनल में निको ओरेली के दो गोलों की मदद से आर्सेनल को 2-0 हराकर खिताब जीत लिया। सिटी की यह जीत प्रीमियर लीग खिताब की दौड़ में आर्सेनल पर एक मनोवैज्ञानिक दबाव बना सकती है, क्योंकि ईपीएल में सिटी का अगला लक्ष्य अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद आर्सेनल की नौ अंकों की बढ़त को खत्म करना है।

जीत के बाद ओरेली ने कहा कि यह फाइनल जीतना और आर्सेनल को हराना एक अविश्वसनीय एहसास है। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे हैं। हमें अब इस लय को बनाए रखना होगा। पेप गार्डियोला की सिटी के मैनेजर के तौर पर यह 16वीं बड़ी ट्रॉफी और रिकार्ड पांचवां लीग कप था। 21 वर्षीय ओरेली ने पहला गोल आर्सेनल के गोलकीपर केपा अरिजाबालागा की गलती का फायदा उठाते हुए 60वें मिनट में हेडर से किया और इसके चार मिनट बाद ही उन्होंने और हेडर से दूसरा गोल किया।

इधर ईपीएल में बने रहने की टोटेनहम की लड़ाई एक और झटका लगा। उसे नाटिंघम फॉरेस्ट के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। अब टोटेनहम रेलीगेशन जोन से सिर्फ एक स्थान और एक अंक ऊपर रह गया है। वहीं, फॉरेस्ट इस जीत से अंक तालिका में 16वें स्थान पर पहुंच गया। एक अन्य मुकाबले में वेस्टहैम को 2-0 से मात देकर एस्टन विला ने चैंपियंस लीग में क्वालिफाई करने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया।

मेसी-सेंटोस के गोल से वापसी कर जीता मियामी- मेजर लीग सॉकर में रविवार रात इंटर मियामी ने पिछड़ने के बाद अपने स्टार लियोन मेसी और मिशेल डोस सेंटोस के एक-एक गोल की बदौलत न्यूयार्क सिटी एफसी 3-2 से हरा दिया। मेसी ने दूसरे हाफ में फ्री किक पर बराबरी का गोल किया, जिसके बाद उन्होंने सेंटोस के विजयी गोल में मदद की। इस जीत से मियामी ने न्यूयार्क सिटी को उसकी पहली हार का स्वाद चखाया और लीग के ईस्टर्न कांफ्रेंस में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। गोंजालो लूजन के चौथे मिनट में अपने करियर के पहले गोल से मियामी ने मुकाबले में शुरुआती बढ़त बना ली थी, हालांकि जल्द ही न्यूयार्क सिटी के निकोलस फर्नांडिस ने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते फ्री किक पर लीग का अपना पांचवां गोल किया और अपनी टीम को बराबरी दिला दी।

इसके बाद अगस्टिन ओजेडा ने 59वें मिनट में मेक्सी मोरालेज और केविन ओटूले की मदद से गोल कर न्यूयार्क सिटी को आगे कर दिया। इस तरह मियामी मुकाबले में पहली बार पिछड़ गया, लेकिन दो मिनट बाद ही मेसी ने फ्री किक पर सीजन का अपना चौथा गोल कर मियामी को बराबरी दिला दी। लीग में मेसी का यह 58वें मैचों 54वां गोल था। वहीं 74वें मिनट में मेसी की कार्नर किक पर सेंटोस ने हेडर से गोल कर मियामी की जीत पक्की कर दी।

गर्भवती महिलाओं को करने चाहिए यह तीन योगासन, मां-बच्चा दोनों रहेंगे चुस्त-दुरुस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रेग्नेंसी का समय खूबसूरत और बेहतरीन समय होता है, लेकिन यह आसान नहीं होता क्योंकि इस समय मां के शरीर में कई तरह के बदलाव आ रहे होते हैं। इनसे निपटने के लिए योग एक पुरानी परंपरागत प्रथा है जो मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण के सभी पहलुओं से जुड़ा है। गर्भावस्था के दौरान योग को न केवल सुरक्षित माना जाता है बल्कि व्यायाम का एक विविध रूप भी माना जाता है। प्रेग्नेंसी के दौरान आप इन तीन योगासन कर सकते हैं। ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि आपके होने वाले बच्चे के लिए भी फायदेमंद होगा।

बद्ध कोणासन- दंडासन में शुरुआत करें। फिर पैरों को मोड़ते हुए पैरों के तलवों को आपस में मिला लें। अपनी एड़ी को अपने श्रोणि की ओर ऊपर उठाएं। धीरे से अपने घुटनों को नीचे करें। अपने पेट की हवा को खाली करें, फिर 15 से 20 सेकंड के लिए इस स्थिति को बनाए रखें। इसे 3 या ज्यादा बार करें।

बालासन- मैट पर घुटनों के बल बैठ जाएं और अपने घुटनों को आराम से दूरी पर फैलाते हुए अपनी एड़ियों पर बैठ जाएं। सांस लें और बाजुओं को सिर के ऊपर उठाएं। सांस छोड़ें और अपने हथेलियों को फर्श पर रखते हुए अपने ऊपरी शरीर को आगे की ओर झुकाएं। श्रोणि को एड़ी पर आराम करना चाहिए। सुनिश्चित करें कि आपकी पीठ झुकी हुई नहीं है। अपने घुटनों के नीचे एक कंबल या तकीया रख सकते हैं।

ताड़ासन - अपनी एड़ी पर बैठकर घुटनों को एक आरामदायक दूरी पर फैलाएं। सांस अन्दर भरकर सिर के ऊपर हाथ उठाएं। सांस छोड़ते हुए अपनी हथेलियों को जमीन पर रखें और अपने ऊपरी शरीर को आगे की ओर झुकाएं। एड़ी को श्रोणि का सहारा दें। सुनिश्चित करें कि आपकी पीठ गोल नहीं है। अपने नितंबों या घुटनों के नीचे कंबल रख सकते हैं।

दक्षिण अफीका दौरे के लिए कीवी टीम का एलान, 22 साल की इस स्टार खिलाड़ी को पहली बार मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम का एलान हो गया है। 29 मार्च से वनडे सीरीज का आगाज होना है, जिसके लिए कीवी टीम की घोषणा हो गई। कीवी टीम ने वनडे सीरीज के लिए 22 साल की तेज गेंदबाज केली नाइट को टीम में शामिल किया है।

ये पहली बार है जब नाइट को वनडे टीम में जगह मिली है। उन्होंने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जिसमें कमाल का प्रदर्शन कर उन्होंने अब वनडे टीम में भी जगह बना ली है।

दरअसल, केली नाइट ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान अपना ङ्ग20द्ध डेब्यू किया था, जहां उन्होंने दो मैचों में 20.50 की औसत और 5.85 की इकोनमी रेट से दो विकेट चटकाए। वो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही मौजूदा टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में बुलाया गया है। उन्हें ये मौका नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए ह्रंष्ट की महिला वनडे टूर्नामेंट में उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर मिला है, जहां उन्होंने अपनी टीम को खिताब जिताने में मदद की। वह 13.76 की औसत और 3.82 की इकोनमी रेट के साथ 17 विकेट लेकर विकेट लेने वालों की लिस्ट में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहीं।

अब उम्र नहीं, तैयारी मायने रखती है, खेल की दुनिया में टीनएज टैलेंट क्यों मचा रहा धमाल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल की दुनिया में कम उम्र के खिलाड़ियों का दबदबा तेजी से बढ़ रहा है। क्रिकेट की बात करें तो 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल और अंडर-19 स्तर पर शतक जमाना इस बदलाव की सबसे बड़ी मिसाल है। अब किशोर खिलाड़ी सिर्फ टीम का हिस्सा नहीं, बल्कि मैच का रुख तय करने वाले बन रहे हैं।

वहीं, इंग्लिश फुटबॉल क्लब की बात करें तो आर्सनल के मैक्स डॉवमैन हाल ही में प्रीमियर लीग के इतिहास में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं।

स्केटबोर्डिंग में 17 साल के स्काई ब्राउन और डाट्स में 8 साल के ल्यूक लिटलर दो-दो बार विश्व चैंपियन बन चुके हैं। टेनिस में एमा राडुकानू ने 18 की उम्र में ग्रैंड स्लैम जीता था। फॉर्मूला-1 में 19 साल किमी एंटोनेली दूसरे सबसे कम उम्र के रेस विनर बने हुए हैं। ऐसा लगता है टीनेजर्स खेलों पर राज कर रहे हैं।

दरअसल, इस ट्रेंड के केंद्र में 14 से 18 साल के युवा खिलाड़ी हैं, जिन्हें अब शुरुआती उम्र में ही प्रोफेशनल एक्सपोजर मिल रहा है। ये खिलाड़ी अकादमी सिस्टम, नेशनल कैंप्स और फ्रेंचाइजी क्रिकेट के जरिए तेजी से उभर रहे हैं। पिछले एक दशक में ये बदलाव ज्यादा स्पष्ट हुआ है, लेकिन हाल के सालों में इसकी रफ्तार और तेज हो गई है।

खासकर टी20 क्रिकेट के उभार के बाद युवाओं को जल्दी मौके मिलने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका सबसे बड़ा कारण आधुनिक स्पोर्ट्स साइंस, मनोविज्ञान और एडवांस ट्रेनिंग है। फॉर्मूला-1 की ड्राइवर एकेडमी में नेक्स्ट-जेनरेशनल सिमुलेटर और ट्रेनिंग की मदद से युवाओं को कम अनुभव के बावजूद कम उम्र में ही शारीरिक और मानसिक दबाव के लिए तैयार किया जाता है।

ठंड से बच्चे के कान में हो सकता है दर्द, निपटने के लिए अजमाएं ये तरीके

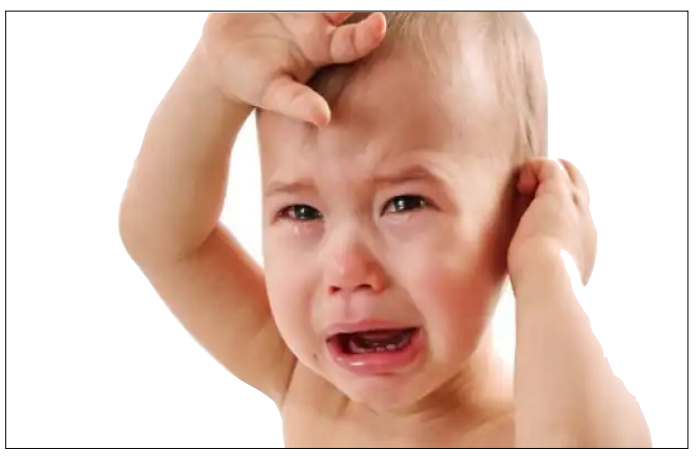

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठंड का मौसम अपने साथ कई बीमारियों को लेकर आता है। ऐसे में नन्हें बच्चों के कान में इंफेक्शन भी हो सकता है। जिसके दर्द से निपटने के लिए आप कुछ तरीकों को अपना सकते हैं।

गर्म सेक- लगभग 10 से 15 मिनट के लिए अपने बच्चे के कान पर गर्म, नम सेक लगाने की कोशिश करें। यह दर्द को कम करने में मदद कर सकता है।

दवाई- अगर आपके बच्चे के कान में दर्द और बुखार है को राहत दिलाने के लिए उसे डॉक्टर की सलाह पर दवाई दें। अपने डॉक्टर द्वारा सुझाई गई दवा और दर्दनिवारक की बोतल पर दिए निर्देशों के अनुसार इस्तेमाल करें।

गरम तेल- अगर आपके बच्चे के कान से कोई तरल पदार्थ नहीं निकल रहा है और कान का पर्दा फटने का संदेह नहीं है, तो प्रभावित कान में कमरे के तापमान की कुछ बूंदें या थोड़ा गर्म जैतून का तेल या तिल का तेल डालें। ऐसा डॉक्टर की सलाह पर ही करें।

हाइड्रेटेड रहें- अपने बच्चे को खूब पानी पिलाएं। ऐसा करने पर यूस्टेशियन ट्यूब को खोलने में मदद मिल सकती है जिससे दर्द में आराम मिलता है।

होम्योपैथिक कान की बूंदें- जैतून के तेल में लहसुन, मुलीन, लैवेंडर, कैलेंडुला और सेंट जॉन पौधा जैसे अवयवों के अर्क वाली होम्योपैथिक कान की बूंदें सूजन और दर्द से राहत दिलाने में मदद कर सकती हैं।

सरकार ने बांट दिए 10.56 करोड़ एलपीजी कनेक्शन, सब्सिडी भी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लागू होने के बाद देश में एलपीजी की पहुंच लगभग हर घर तक हो गई है। 1 मार्च 2026 तक देश भर में करीब 10.56 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन दिए जा चुके हैं, जिनमें महाराष्ट्र में 52.60 लाख और गुजरात में 43.92 लाख कनेक्शन शामिल हैं। यह जानकारी सोमवार को संसद में दी गई। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 25 लाख अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन जारी करने की मंजूरी भी दी है, ताकि लंबित आवेदनों को पूरा किया जा सके और देश में एलपीजी की पहुंच पूरी तरह सुनिश्चित की जा सके।

किस राज्य को कितने नए कनेक्शन- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि इस विस्तार के तहत 1 मार्च 2026 तक महाराष्ट्र में लगभग 0.48 लाख और गुजरात में करीब 0.87 लाख नए कनेक्शन दिए गए हैं।

पीएमयूवाई शुरू होने से पहले देश में एलपीजी कवरेज लगभग 62 प्रतिशत थी, जो अब काफी बढ़ चुकी है। इसके साथ ही लाभार्थियों द्वारा एलपीजी के इस्तेमाल में भी बढ़ोतरी हुई है। 2021-22 में जहां औसतन 3.68 सिलेंडर सालाना उपयोग किए जाते थे, वहीं 2025-26 में यह बढ़कर 4.80 सिलेंडर हो गया है।

घरेलू एलपीजी की सप्लाई व्यवस्था हुई बेहतर - ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने घरेलू एलपीजी की सप्लाई व्यवस्था को भी काफी बेहतर किया है। गोपी ने कहा, 1 मार्च 2026 तक देश में कुल 25,605 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर हैं, जिनमें से 17,677 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जिनकी सप्लाई के लिए 214 एलपीजी बॉटलिंग प्लांट काम कर रहे हैं।

ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में एलपीजी की पहुंच बढ़ाने के लिए अप्रैल 2016 से फरवरी 2026 के बीच 8,037 नए डिस्ट्रीब्यूटर शुरू किए गए, जिनमें से 93 प्रतिशत यानी 7,444 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। मंत्री के अनुसार, सरकार पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी को सस्ता बनाने के लिए भी कदम उठा रही है।

वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 300 रुपए तक की सब्सिडी (और 5 किलो वाले सिलेंडर के लिए भी अनुपातिक रूप से) दे रही है, जो अधिकतम 9 रिफिल तक लागू है। इसके अलावा, सक्षम नामक पहल के जरिए ऑयल कंपनियां (पीएसयू) ऊर्जा बचत और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक कर रही हैं।

पाकिस्तान में लश्कर कमांडर बिलाल की हत्या, घरवालों ने ही उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सराफी की उसके ही परिवार के सदस्यों ने हत्या कर दी।

यह घटना शनिवार को ईद की नमाज के बाद लाहौर के पास मुरीदके में हुई। रिपोर्टों के अनुसार, बिलाल पर पहले चाकू से हमला किया गया और फिर उसे गोली मार दी गई।

पारिवारिक विवाद के चलते हुई वारदात- मीडिया रिपो?र्ट्स के अनुसार, इस हत्या के पीछे का मुख्य कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। वारदात मुरीदके में लश्कर के ध्वस्त मुख्यालय के पास हुई, जिस पर भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमला किया था।

पुलिस ने इस मामले में संलिप्त परिवार के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इंटरनेट मीडिया पर कुछ वीडियो भी बहु-प्रसारित हुए हैं जिनमें बिलाल का शव जमीन पर पड़ा दिखाई दे रहा है, हालांकि उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आतंकी नेटवर्क में बिलाल की भूमिका बिलाल आरिफ सराफी साल 2005 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। वह मुरीदके केंद्र में युवाओं की भर्ती करने और उन्हें वैचारिक प्रशिक्षण (ब्रेनवाश करने) देने का मुख्य जिम्मा संभालता था।

इसके अलावा, वह संगठन के लिए धन जुटाने और हथियारों की खरीद-फरोख्त में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। बिलाल अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ तैयबा कालोनी में रहता था। विशेष रूप से, वह भारत में किसी मामले में वांछित नहीं था।

होर्मुज जलडमरूमध्य- सैन्य कार्रवाई से इसे खोलना दुनिया के लिए बड़ा जोखिम क्यों?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, जिसके केंद्र में होर्मुज जलडमरूमध्य है। दुनिया के कुल तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी संकरे रास्ते से गुजरता है। वर्तमान में यह जलमार्ग लगभग ठप है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं।

राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इसे 48 घंटों में पूरी तरह खोलने का अल्टीमेटम दिया है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि सैन्य बल से इसे खोलना एक आर्थिक और राजनीतिक बारूद के ढेर पर बैठने जैसा है। ईरान की जवाबी चेतावनी व सैन्य जटिलताएं वॉशिंगटन के लिए इस जलमार्ग को खोलना अब केवल सैन्य लक्ष्य नहीं, बल्कि एक मजबूरी बन गया है।

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, ट्रंप प्रशासन हवाई हमलों, समुद्री सुरंगों को हटाने और टैंकरों को सुरक्षा घेरे में निकालने जैसे विकल्पों पर विचार कर रहा है। हालांकि, ईरान ने कड़ी चेतावनी दी है कि यदि उसके बिजली संयंत्रों पर हमला हुआ, तो वह पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिकी हितों से जुड़े ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और वॉटर डिसेलिनेशन (जल-शोधन) बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। यह स्थिति एक क्षेत्रीय महायुद्ध को जन्म दे सकती है।

अमेरिकी युद्धक विमानों ने ईरान के दक्षिणी तट पर मिसाइल लांचरों और ड्रोन केंद्रों को निशाना बनाया है, लेकिन ईरान की मारक क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। सबसे बड़ी चुनौती स्वार्म टैक्टिक्स है, जिसमें ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड की सैकड़ों छोटी और तेज रफ्तार नावें अचानक हमला कर सुरक्षा घेरे को ध्वस्त कर सकती हैं।

समुद्री सुरंगें और खार्ग द्वीप का जोखिम- सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, सबसे घातक समस्या समुद्री सुरंगें हैं। यदि ईरान ने जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाई हैं, तो उन्हें साफ करने में हफ्तों लग सकते हैं। एक भी सफल विस्फोट पूरे व्यापारिक यातायात को अनिश्चित काल के लिए रोक सकता है। इसके अलावा, ईरान के मुख्य तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा करने का विकल्प भी मेज पर है। लेकिन इस तरह के जमीनी हमले में हजारों अमेरिकी नौसैनिकों की जान जोखिम में पड़ सकती है और अमेरिका इस संघर्ष में और गहराई तक फंस सकता है।

1980 के दशक के टैंकर युद्ध का अनुभव बताता है कि अमेरिकी सुरक्षा के बावजूद जहाजों को मिसाइलों और बारूदी सुरंगों से बचाना बेहद कठिन है। अंतत- होमुर्ज को जबरदस्ती खोलना एक ऐसी सैन्य उलझन है जिसका कोई आसान समाधान नहीं दिखता।

ETF ने अब तक दिया 160% से ज्यादा का रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोना और चांदी ने जब से जबरदस्त रिटर्न देना शुरू किया तब से ही लोगों का ध्यान सोना-चांदी की ओर बढ़ गया। निवेशक धीरे-धीरे शेयर्स के साथ गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ के जरिए भी ट्रेड करने लगे। यहीं कारण है कि सोने और चांदी में अब एक दिन में इतनी गिरावट या तेजी आती है। मसलन सोने और चांदी में होने वाली गिरावट या तेजी हजारों में दर्ज की जाती है।

जबकि पहले सोने-चांदी में 1000-2000 रुपये की गिरावट या तेजी को भी बहुत बड़ा माना जाता था। भारत में अब लोग गोल्ड और सिल्वर को निवेश के नजरिए से भी देखने लगे हैं। अगर आप भी गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में पैसा लगाते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है।

ICICI प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ देश का सबसे पुराना सिल्वर ईटीएफ है। इसमें आप एसआईपी का लमसम दोनों तरीके से निवेश कर सकते हैं। इस ईटीएफ की शुरुआत 24 जनवरी 2022 से हुई। तब से लेकर अब तक इस ईटीएफ ने लगभग 250 फीसदी का रिटर्न दिया है।

कितना है एक्सपेंस रेश्यो- ICICI प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ का एक्सपेंस रेश्यो 0.40 फीसदी दर्ज किया गया है। इसका AUM 16,848 करोड़ रुपये है।

लो रिकॉर्ड और हाई रिकॉर्ड- 52 हफ्तों में इस सिल्वर ईटीएफ में 88.80 रुपये का लो रिकॉर्ड और 373.50 रुपये प्रति का हाई रिकॉर्ड बनाया है।

आप निवेश करें या नहीं- अगर आप चांदी में निवेश के उद्देश्य से लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो सिल्वर ईटीएफ बेस्ट ऑप्शन है। फिलहाल कमोडिटी मार्केट में काफी हलचल है इसलिए सिल्वर हो या गोल्ड ईटीएफ इसमें एसआईपी के जरिए किस्तों में ही निवेश करें।

जंग में ईरान को फायदा ही फायदा! खार्ग टर्मिनल के जरिए कर रहा गाढ़ी कमाई; खाड़ी देशों को लगा जोर का झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल ने जब 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था तब यह सोचा भी नहीं होगा कि तेहरान इस तरह से पलटवार करेगा। इस जंग को ईरान ने अपने फायदे में बदल दिया है और जमकर पैसे कमा रहा है।

अमेरिका ने खार्ग आइलैंड के पास सैन्य ठिकानों को टारगेट तो किया लेकिन वैश्विक तेल संकट के डर से तेल टर्मिनल को सीधेतौर पर निशाना नहीं बनाया। अब ईरान इसी चीज का फायदा उठा रहा है और खार्ग टर्मिनल को चालू करके रखा है। घोस्ट फ्लीट के जरिए चीन को जमकर सप्लाई कर रहा है।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी और एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक, ईरान हर दिन 1.7 से 2 मिलियन (17 से 20 लाख) बैरल तेल एक्सपोर्ट कर रहा है। उसका करीब-करीब 90 प्रतिशत तेल अभी भी खार्ग टर्मिनल के जरिए एक्सपोर्ट हो रहा है। इतना ही नहीं रिपोर्ट तो ऐसी भी हैं कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले विदेशी जहाजों ईरान 16.5 करोड़ रुपये का टोल वसूल कर रहा है।

खाड़ी देशों का गिरा प्रोडक्शन- अमेरिकी-इजरायली हमलों के बाद ईरान ने खाड़ी देशों पर हमले किए। उसकी होर्मुज स्ट्रेट पर पकड़ और लगातार हमलों की वजह से सऊदी अरब, कतर, इराक, कुवैत और यूएई जैसे खाड़ी देशों की सप्लाई प्रभावित हुई है। सुरक्षित समुद्री रास्तों की कमी, बढ़ते हमले और लॉजिस्टिक में आने वाली परेशानियों की वजह से इन देशों के प्रोडक्शन में भी 70 प्रतिशत तक गिरावट आई है।

वेदांता के अनिल अग्रवाल इकोजेन से बदलने जा रहे पूरी इंडस्ट्री का गेम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी सस्टेनेबल और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में काम करने जा रही है। हिंदुस्तान जिंक दुनिया की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक कंपनी है। अब उसने टाटा स्टील के साथ अपनी दो दशक पुरानी साझेदारी को और मजबूत करते हुए एक नया समझौता किया है। इस साझेदारी के तहत टाटा स्टील अपने स्टील निर्माण में हिंदुस्तान जिंक के लो-कार्बन जिंक सॉल्यूशन इकोजेन का इस्तेमाल करेगी।

क्या है इकोजेन और इसके फायदे- इकोजेन एशिया का पहला लो-कार्बन (कम कार्बन वाला) जिंक है, जिसे पूरी तरह से रिन्यूएबल एनर्जी (अक्षय ऊर्जा) का उपयोग करके बनाया जाता है। पारंपरिक जिंक के मुकाबले इकोजेन का कार्बन फुटप्रिंट 75% तक कम है। प्रति टन जिंक के उत्पादन में 1 टन से भी कम CO2 का उत्सर्जन होता है।

गैल्वनाइज्ड स्टील को जंग से बचाने के लिए जिंक का इस्तेमाल होता है। इकोजेन के उपयोग से प्रति टन गैल्वनाइज्ड स्टील पर लगभग 400 किलोग्राम CO2 उत्सर्जन को रोका जा सकेगा। यह पहल इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे सेक्टर्स को अपने डीकार्बोनाइजेशन (कार्बन मुक्तीकरण) लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी।

इस साझेदारी पर हिंदुस्तान जिंक के सीईओ, अरुण मिश्रा ने कहा, ÷इकोजेन ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग की बदलती जरूरतों के लिए सस्टेनेबल मेटल सॉल्यूशन प्रदान करने के हमारे विजन को दर्शाता है। टाटा स्टील के साथ हमारी यह साझेदारी भारत के औद्योगिक इकोसिस्टम में ग्रीन सप्लाई चेन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है।

वहीं, टाटा स्टील के चीफ प्रोक्योरमेंट ऑफिसर, रंजन सिन्हा ने कहा, हम अपने साहिबाबाद प्लांट में पर्यावरण के अनुकूल जिंक मेटल इकोजेन की डिलीवरी के लिए हिंदुस्तान जिंक को बधाई देते हैं। यह सहयोग हमारे सप्लायर इकोसिस्टम के बीच ग्रीन टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल प्रथाओं को आगे बढ़ाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

कंपनी की इस बड़ी घोषणा के बावजूद सोमवार को हिन्दुस्तान जिंक शेयर में स्टॉक मार्केट में हुई भारी बिकवाली के कारण दबाव देखने को मिला। हिंदुस्तान जिंक का शेयर बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के कारण एनएसई पर 5.97 प्रतिशत गिरकर ?484 के इंट्राडे लो पर आ गया। 28 जनवरी 2026 को बनाए गए ?733 के अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर से यह शेयर अब तक लगभग 40त्न टूट चुका है।

वहीं वेदांता के शेयर में भी आज 5त्न की गिरावट दर्ज की गई और यह ?637 पर ट्रेड कर रहा था, जो 1 फरवरी के बाद का सबसे निचला स्तर है। हालांकि, बाजार की इस गिरावट के बीच 23 मार्च 2026 को वेदांता के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ?11 प्रति शेयर के तीसरे अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है। यह स्टॉक 27 मार्च 2026 से एक्स-डिविडेंड के रूप में ट्रेड करेगा।

हिंदुस्तान जिंक क्या काम करती है- वेदांता ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक दुनिया की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और शीर्ष 5 ग्लोबल सिल्वर उत्पादक कंपनियों में से एक है। भारत के प्राइमरी जिंक मार्केट में इसकी 77त्न हिस्सेदारी है और यह 40 से अधिक देशों में सप्लाई करती है। स्त्रक्क ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2025 द्वारा इसे लगातार तीसरे वर्ष मेटल्स और माइनिंग कैटेगरी में दुनिया की सबसे सस्टेनेबल कंपनी के रूप में मान्यता दी गई है।

कंपनी ने 2050 या उससे पहले नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य रखा है और यह एक प्रमाणित 3.32 गुना वाटर-पॉजिटिव कंपनी भी है।

अनिल अग्रवाल ने दिखाई दरियादिली, देंगे 4300 करोड़ डिविडेंड, हर शेयर पर कितना पैसा मिलेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मशहूर माइनिंग कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को बड़ी खुशखबरी दी है।

कंपनी के बोर्ड ने 23 मार्च को डिविडेंड देने का एलान किया है और इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तीसरे अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दे दी। कंपनी ने एक्सचेंज को दी फाइलिंग में यह सूचना दी है। उधर, वेदांता लिमिटेड के शेयर आज 4 फीसदी से ज्यादा गिरे हुए हैं और 643 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं।

FY26 में तीसरा अंतरिम डिविडेंड- एक्सचेंज को दी फाइलिंग में कंपनी ने कहा, वेदांता लिमिटेड के निदेशक मंडल (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) की सोमवार, 23 मार्च 2026 को हुई बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तीसरे अंतरिम डिविडेंड (लाभांश) को मंजूरी दे दी गई है। कंपनी ने 1 की फेस वैल्यू वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 11 अंतरिम डिविडेंड देने का एलान किया है।

कंपनी ने बताया कि इस डिविडेंड के भुगतान में कंपनी लगभग 4,300 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

अपनी ही औलादों से घिरा पाकिस्तानः चरम पर आतंकवाद, बना दुनिया का सबसे ज्यादा प्रभावित देश; रिकॉर्ड स्तर पर मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने वर्षों तक आतंकवादी संगठनों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाया, लेकिन अब वही नीति उसके लिए भारी पड़ रही है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 में पाकिस्तान दुनिया का सबसे ज्यादा आतंक प्रभावित देश बन गया है, जहां हमले, मौतें और हिंसा लगातार बढ़ रही है।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026 के मुताबिक, पाकिस्तान पहली बार सूची में शीर्ष पर पहुंचा है। साल 2025 में यहां 1139 लोगों की मौत हुई, 1045 हमले हुए, 1595 लोग घायल हुए और 655 लोगों को बंधक बनाया गया। पाकिस्तान का स्कोर 8.574 रहा, जो सभी देशों से ज्यादा है। यह 2013 के बाद सबसे घातक साल रहा और लगातार छठा साल है जब आतंक से मौतों में बढ़ोतरी हुई है। दक्षिण एशिया में भी यही एक देश है जहां हालात बिगड़े हैं, बाकी देशों में सुधार हुआ है।

किन इलाकों में सबसे ज्यादा असर- रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा हमले खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुए। कुल हमलों का 74त्न और मौतों का 67% इन्हीं दो प्रांतों में दर्ज किया गया।

सबसे सक्रिय आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) रहा। 2025 में इस संगठन ने 595 हमले किए और 637 लोगों की जान ली, जो कुल मौतों का 56त्न है।

हत्या जैसी टारगेटेड घटनाएं 450% तक बढ़ गईं और पुलिस पर हमले भी बढ़े हैं। टीटीपी अब ड्रोन का इस्तेमाल भी कर रहा है, जिससे खतरा और बढ़ गया है।

सीमा पार से मिल रहा समर्थन- रिपोर्ट बताती है कि 6000 से 6500 टीटीपी लड़ाके अफगानिस्तान के अंदर से काम कर रहे हैं और वहीं से पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं। करीब 85त्न हमले अफगान सीमा के 10 से 50 किलोमीटर के दायरे में होते हैं।

पाकिस्तान के कबायली इलाकों को लंबे समय तक ऐसे समूहों का सुरक्षित ठिकाना माना जाता रहा है। यहां से तालिबान, हक्कानी नेटवर्क, अल-कायदा और बाद में टीटीपी जैसे संगठन मजबूत हुए। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद टीटीपी को और सुरक्षित ठिकाना मिल गया। पाकिस्तान ने अफगान सरकार से कार्रवाई की मांग की, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

पुरानी नीति अब उलटी पड़ रही- रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने पहले अच्छे और बुरे तालिबान में फर्क किया था, लेकिन अब यह रणनीति काम नहीं कर रही। जो समूह पहले बाहर इस्तेमाल होते थे, अब देश के अंदर ही हमले कर रहे हैं। मार्च 2025 में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने एक ट्रेन को हाईजैक कर 442 लोगों को बंधक बना लिया, जो दुनिया के सबसे बड़े आतंकी हमलों में शामिल है। अब यह संगठन सिर्फ अलगाववाद नहीं, बल्कि सीधे राज्य के खिलाफ हमले कर रहा है। इसके निशाने पर चीनी नागरिक और सीपेक प्रोजेक्ट भी हैं। रिपोर्ट इसे सरकार की लंबे समय से चली आ रही सख्त नीतियों का नतीजा मानती है, जिसमें राजनीतिक समाधान की कमी रही।

काशी की धरती पर माँ काली का रौद्र रूप: पापियों के लिए बना काल

दैनिक दिव्य संवाद/ सौरभ मिश्रा/ वाराणसी। वाराणसी में स्थित माँ काली का यह प्राचीन मंदिर अपनी अनोखी कहानी और महत्व के लिए जाना जाता है। यहाँ माँ पार्वती ने अपने रौद्र रूप को धारण किया था, जिससे राक्षसों और दुष्टों का संहार हुआ था।

काशी महादेव की नगरी जहां पर बाबा व माता पार्वती संग नव दुर्गा भी विराजमान है नवरात्र के नव दिन माँ के अलग अलग रूपों का दर्शन पूजन का है महात्म।

दशाश्व मेघ के कलिका गली स्थित कालरात्रि मंदिर में नवरात्र के सप्तमी के दिन माँ कालरात्रि का दर्शन करने के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। मान्यता है कि इस दिन माँ के उग्र स्वरूप के दर्शन करने से भय, शत्रु और बाधाओं का नाश होता है तथा जीवन में सुरक्षा और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है

ऐसे प्राचीन मंदिर हैं जो इतिहास में अपने अनोखेपन के लिए जाने जाते हैं। ऐसा ही आदि शक्ति माँ काली का एक मंदिर जो बाबा विश्वनाथ से कुछ दूरी पर उस क्षेत्र का नाम ही कालिका गली हैं।

काशी में स्थापित है माँ रौद्र रूप काली इसी रूप से राक्षसों का किया था संहार।

आप को बताते हैं कि बाबा की नगरी आनंदवन के नाम से विख्यात था तभी माता ने काशी में आकर यहाँ पर अपने उस रौद्र रूप को स्थापित किया था जिसने का संहार किया महाकाली यानी माँ का वह रौद्र रूप जिसमें धरती पर राक्षसों और दुष्टों के संहार के लिए इस रूप को धारण किया। माता पार्वती का यह रौद्र रूप संहार का प्रतीक माना जाता है। काशी का यह काली मंदिर पुरातन धार्मिक यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है जो काशी खंड में वर्णित है।

ऐसा हैं माता काली रौद्र स्वरूप- बड़ी बड़ी आंखें, लंबी जीभ और तेज और तपिश से पूरे शरीर का काला पड़ जाना, आंखों से तेज प्रकाश और अग्नि का निकलना, गले में मुंडमाला और राक्षसों के कटे हुए हाथ और अन्य अंग धारण किए माँ काली का यह रौद्र स्वरूप सनातन धर्म में सभी देवी देवताओं में सबसे विकराल माना जाता है। माता काली ने दुष्टों के संहार और रक्तबीज के नाश के लिए इस रूप को धारण किया था।

काशी में माता पार्वती ने अपने काली रूप को छोड़ा था मंदिर के महंत सुरेंद्र नारायण तिवारी ने बताया कि काशी में विश्वनाथ मंदिर के निकट माँ काली का यह प्राचीन मंदिर काशी में अनंत समय से मौजूद है। जब काशी को आनंदवन के नाम से भगवान भोलेनाथ स्थापित किया था उस वक्त काशी में माता पार्वती ने अपने काली रूप को छोड़ा था।

जब माँ पार्वती माँ काली रूप में आई थीं काशी मंदिर महंत जी का कहना है धर्म ग्रंथों में वर्णित है कि जब माता काली अपने रौद्र रूप से वापस पार्वती के रूप में गई तो उनके गुस्से और तपिश की वजह से उनका रंग काला पड़ गया था। इसे लेकर भगवान भोलेनाथ कई बार उनको इस बात के लिए टोकते भी थे कि तुम पार्वती के रूप में आ तो गई हो लेकिन अभी भी काली हो इस बात से नाराज होकर कैलाश छोड़कर काशी आ गई।

महादेव के पूजन से काली ने फिर बनी माँ गौरा मिट्टी से भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग का निर्माण कर- उनके पूजन शुरू किया। भावन भोलेनाथ उस पूजन से प्रसन्न होकर केदारेश्वर के रूप में प्रकट हुए और माता पार्वती को उनके माँ के रूप में वापस लाने का आशीर्वाद दिया। इसके बाद माता को गौरा के नाम से जाना गया, क्योंकि माँ अपने काले रूप से निखर कर गोरी हो चुकी थी, लेकिन जब माता यहाँ पर भोलेनाथ के साथ प्रस्थान करने लगी तो उनका काली का यह रूप काशी के इसी स्थान पर स्थापित हुआ।

नीमच केंट टीआई नीलेश अवस्थी की अनोखी विदाई, घोड़े पर सवार होकर मनासा रवाना

नीमच। नीमच केंट थाने के टीआई नीलेश अवस्थी का हाल ही में नीमच केंट से मनासा थाना में तबादला हो गया है। इस तबादले के बाद आज अवस्थी ने केंट थाने से अनोखी विदाई ली। वे घोड़े पर सवार होकर फूलों की माला पहने मनासा के लिए रवाना हुए।

यह विदाई चर्चा का विषय बनी हुई है, क्योंकि आमतौर पर पुलिस अधिकारियों का तबादला होने पर वे साधारण तरीके से ही विदा होते हैं। अवस्थी का इस तरह घोड़े पर सवार होकर विदा होना लोगों को आश्चर्यचकित कर रहा है।

कुछ लोगों का मानना है कि अवस्थी ने यह विदाई इसलिए चुनी ताकि वे यादगार बन सकें। वहीं कुछ लोग इसे दिखावा मान रहे हैं। लेकिन वजह जो भी हो, अवस्थी की यह विदाई निश्चित रूप से नीमच में चर्चा का विषय बनी हुई है।

शाला जाने योग्य सभी बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलाए- श्री चंद्रा

नीमच। जिले की सभी शालाओं में दाखिलें के योग्य शतप्रतिशत बच्चों को एक अप्रेल से प्रारंभ हो रहे शिक्षा सत्र के प्रथम दिवस से ही शाला में प्रवेश दिलाना सुनिश्चित करें। एक अप्रेल को सभी शालाओं में पालक शिक्षक बैठक आयोजित कर पालकों को लक्षित बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण के लिए प्रेरित कर उनसे सहमति पत्र प्राप्त कर टीकाकरण करवाएं। आंगनवाडी केंद्रों में भी सभी लक्षित बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करवाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, सभी एसडीएम एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने सभी जिला नोडल अधिकारियों को क्षेत्र की पंचायतों में एच.पी.वी. टीकाकरण कार्य की प्रगति बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने तथा शतप्रतिशत बच्चों को शाला व आंगनवाडी में प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए, कि वे 100 दिवस निक्षय अभियान का पहले दिन से ही सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करें और अभियान की सतत मॉनीटरिंग कर प्रति सप्ताह प्रगति रिर्पोट प्रस्तुत करें। उन्होने पंचायतों के नोडल अधिकारियों को उनके क्षेत्र में एच.आर.पी.डब्लू. क्लिनिक का भी निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे राजस्व प्रकरणों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

सभी राजस्व अधिकारी आर.सी.एम.एम.में दर्ज प्रकरणों का वित्तीय वर्ष के शेष दिनों में शतप्रतिशत निराकरण कर, ए ग्रेड हांसिल करें। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में नीमच हमेशा से जिला ए ग्रेड में रहा हैं। प्रदेश स्तर पर यह ग्रेड बरकरार रहे।

जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत 92 हजार 98 आवेदनों का हुआ निराकरण- उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा

देवास। उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा के मुख्य आतिथ्य में देवास के मल्हार स्मृति मंदिर में संकल्प से समाधान अभियान एवं जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं कन्या पूजन के साथ किया गया।

कार्यक्रम में विधायक देवास श्रीमती गायत्रीराजे पवार, विधायक बागली श्री मुरली भंवरा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया, महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल, जिला अध्यक्ष श्री रायसिंह सेंधव, श्री दुर्गेश अग्रवाल, श्री भेरूलाल अटारिया, कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव कुमार जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में हितग्राहीगण उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा कई जन हितैषी कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविरों का आयोजन पूरे प्रदेश सहित देवास जिले में भी किया जा रहा है। यह शिविर चार चरणों में सतत जारी है। इन शिविरों का शुभारंभ 12 जनवरी 2026 से प्रारंभ हुआ जो कि 31 मार्च तक संचालित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम 22 विभागों की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि देवास जिले में संकल्प से समाधान अभियान कार्यक्रम अंतर्गत 73 शिविरों का आयोजन किया गया। संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित शिविर में 01 लाख 02 हजार 486 आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत किए, जिसमें 92 हजार 98 आवेदनों को निराकरण किया गया। आज आयोजित इस कार्यक्रम में हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। इसके लिए आप सभी को बधाई देता हूं।

उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अंतिम पंक्ति के हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए लगातार शिविरों एवं अभियानों का आयोजन कर रही है। इन शिविरों में प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आवेदकों के आवेदन प्राप्त किए तथा उनका निराकरण कर हितलाभ वितरित किए। उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि जिला स्तरीय संकल्प से समाधान अभियान शिविर का आयोजन आज देवास में भी किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि जल को बचाने के लिए हम सभी को एकजूट होकर कार्य करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और जल है तो हम है इसको ध्यान रखना जरूरी है। जल के संचयन के लिए हम सब मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा इस कार्य को मूर्त रूप देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पुराने तालाब, कुएं, बावड़ियों, नदी, नालों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। यह एक बड़ा जल संचय का अभियान है। जिसमें आमजन को सहभागिता कर जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाना है।

कार्यक्रम में विधायक देवास श्रीमती गायत्रीराजे पवार ने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को प्रदान करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार कार्य कर रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी द्वारा हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान प्रारंभ किया,? जिसमें ?हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए तथ उनका निराकरण भी किया। संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविरों का आयोजन कर हितग्राहियों को हितलाभ का भी वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के लिए राज्य शासन के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय, नगर निगम, विकासखंड एवं जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है तथा हितग्राहियों के फॉर्म भी भरकर उन्हें योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। विधायक श्रीमती पवार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित भावांतर योजना में देवास कृषि उपज मंडी में किसानों को अधिक राशि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना के माध्यम से जो फायदा किसानों को पहुंचाया इसके लिए मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी, उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा जी एवं प्रदेश सरकार को हृदय से धन्यवाद देती हूं।

22 वर्षों से सतत नवाह पारायण पाठ ,चेती नवरात्रि पर धर्म और ज्ञान की बह रही अविरल गंगा

सिंगोली। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर में पिछले 22 वर्षों से निरंतर बजरंग व्यायाम शाला परिसर पर नवाह पारायण पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जा रहा है। इस वर्ष भी भक्तजनों की सहभागिता के साथ यह आयोजन पूरे उत्साह, अनुशासन और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हो रहा है।

बजरंग व्यायाम शाला संचालक ओंकार लाल शर्मा ने बताया कि प्रति वर्ष चैत्र नवरात्रि पर इस पाठ में महिलाये ,पुरुष ओर बच्चे बड़े उत्साह के साथ रामायण का पाठ करते हे व्यास पीठ पर मुकेश माहेश्वरी द्वारा भजनों की प्रस्तुति पर भक्तों द्वारा भावविभोर नृत्य किया जा रहा हे एवं सभी को साथ लेकर संगीतमय पाठ किया जा रहा हे प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत होती हे जो 11 बजे तक चलता रहता हे एवं भजन-कीर्तन होने से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ ले रहे हैं और अपने जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कर रहे हैं।

आयोजन समिति के अनुसार, यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करती है, बल्कि समाज में संस्कार, एकता और सद्भाव का संदेश भी प्रसारित करती है। 22 वर्षों से निरंतर चल रहा यह आयोजन क्षेत्र में धर्म और ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बना हुआ है।समापन दिवस पर विशेष पूजन, हवन एवं प्रसादी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

म.प्र.वि.वि.क.लि.द्वारा मनमाने ढंग से पंचायतों से वसूली करने का प्रयास

देवास। जनपद पंचायत बागली सरपंच संघ अध्यक्ष नाथू सिंह सेंधव के नेतृत्व में सरपंचों ने विद्युत विभाग द्वारा मनमाने ढंग से दिए गए बिल व बिना सूचना के विद्युत कनेक्शन काटे जाने की शिकायत को लेकर देवास कलेक्टर ऋतुराज को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि ग्राम पंचायतों ने जितना बिजली का उपयोग किया उतना ही बिल दिया जाएं। कई पंचायतों में कनेक्शन नहीं है, फिर भी लाखों रुपए के बिल मनमाने ढंग से बनाकर पंचायतों से वसूली करने का प्रयास किया जा रहा है,जो अनुचित है। वर्षों पुराने कनेक्शन विद्युत मंडल के रिकॉर्ड में दर्ज हैं लेकिन भौतिक रूप से वर्तमान में कोई उपयोग नहीं है। अधिकांश विद्युत कनेक्शन नवीन नलजल योजना से संबंधित है जो कि अपूर्ण होकर ग्राम पंचायत को हैंडओवर नहीं है, फिर भी उनके बिल ग्राम पंचायत को दिए गए हैं। सोबल्यापुरा सरपंच प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह परिहार ने कहा ग्राम पंचायत को जो बिल दिए गए उनके अनुसार मौके पर भौतिक सत्यापन किया जाए कि वास्तव में इतना ग्राम पंचायत द्वारा बिजली का उपयोग किया जा रहा है या नहीं। मौके पर जो बिजली का उपयोग किया जा रहा है उसी के अनुसार बिल दिए जाएं,तो हम राशि जमा करने को तैयार हैं। इस संबंध में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात करके अनुचित बिल न देने का निर्देश दिया।

इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि मंडल ने जिला प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव,विधायक मुरली भंवरा से मुलाकात कर उन्हें भी समस्याओं से अवगत कराया। इस अवसर पर रतनपुर सरपंच हरिहर मोगरे,पुंजापुरा सरपंच मोहन राठौर,मानसिंगपुरा सरपंच अमर सिंह रंधावा, करड़ी के देवीसिंह राठौर, पलासी से सुरेश खन्ना, आप सिंह अलावा जितेन सोलंकी तोर सिंह बघेल सुनील मालवीय हिंदू मुजाल्दे, गोविंद बैरागी, राम प्रसाद जाठवां, निखीलेश कौचले, मोहन डाबर,मनोहर सिंह,सुनील जायसवाल, वीरामसिंह कुमारिया आदि सरपंच व प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सिंगोली पुलिस को मिली सफलता एक मारूती सुजूकी अरटिगा सिल्वर रंग की कार से 160 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी जप्त कर, दो आरोपी को किया गिरफ्तार

सिंगोली। नीमच जिला पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया एवं एसडीओपी रोहित राठोर जावद के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुध्द प्रभावी कार्यवाही करते हुये सिंगोली थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम सिंगोली द्वारा आरोपियो जुनैद अख्तर व दानीश उर्फ शानू के कब्जे से मारूती सुजूकी अरटिंगा सिल्वर रंग की कार ऋछ17/6450 से 160 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी जप्त कर आरोपियो 1. जुनैद अख्तर पिता जाकीर हुसैन जाति मुसलमान उम्र 25 साल निवासी कोटरी फकीरो की मस्जिद के पीछे छावनी कोटा राजस्थान 2. दानीश उर्फ शानू पिता निजामुद्दीन जाति मुसलमान उम्र 33 साल निवासी कोटरी फकीरो की मस्जिद के पीछे छावनी कोटा राजस्थान को किया गिरफ्तार।

दिनांक 23.03.2026 को अवैध मादक पदार्थ की धरपकड व नाकाबंदी हेतु लगाई गई पुलिस टीम के द्वारा संदिग्ध वाहनो की चेकिंग करते ग्राम सिंगोली कारया आमरोड़ ग्राम फुसरिया करीब 6.30 बजे एक मारूती सुजूकी अरटिगा सिल्वर रंग की कार आती दिखी जिसमें दो व्यक्ति बैठे थे जो कार चालक पुलिस की चैकिंग देखकर अपनी सिल्वर रंग अरटिगा कार को पलटाकर भगाने का प्रयास करने लगे उक्त वाहन को शंका होने पर शासकीय वाहन व फोर्स, पंचान की मदद से मारूती सुजूकी अरटिगा कार को घेराबंदी कर आरोपियो जुनैद अख्तर व दानीश उर्फ शानू के कब्जे से एक मारूती सुजूकी अरटिगा सिल्वर रंग की कार क्रमांक ऋछ17/6450 से 160 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी जप्त कर आरोपियो 1. जुनैद अख्तर पिता जाकीर हुसैन जाति मुसलमान उम्र 25 साल निवासी कोटरी फकीरो की मस्जिद के पीछे छावनी कोटा राजस्थान 2. दानीश उर्फ शानू पिता निजामुद्दीन जाति मुसलमान उम्र 33 साल निवासी कोटरी फकीरो की मस्जिद के पीछे छावनी कोटा राजस्थान को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियो से जप्तशुदा अवैध मादक पदार्थ एम.डी के स्त्रोतो के संबंध मे पुछताछ कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

जप्त संपत्ती- 01. 160 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी. कीमती 16,00000 रूपये

02. एक मारूती सुजूकी अरटिगा सिल्वर रंग की कार क्र- ऋछ17/6450 कीमती 800000 रूपये

ई-टोकन से होगा शत-प्रतिशत खाद का वितरण

देवास। प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई ई-विकास प्रणाली अर्थात ई-टोकन से खाद (रासायनिक उर्वरक) वितरण की व्यवस्था प्रारंभ की गई। जिले में इसी व्यवस्था के तहत खाद वितरित किया जा रहा है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने किसानों से अपील की है कि जिन किसानों ने अभी तक पंजीयन नहीं कराया है वे ई-विकास पोर्टल पर अपना पंजीयन अवश्य करा लें। ऑनलाइन पोर्टल पर किसान की जमीन, बोई गई फसल व खाद की आवश्यकता का सम्पूर्ण ब्यौरा दर्ज रहता है। किसानों को आश्वस्त किया गया है कि शासन द्वारा खरीफ मौसम में भी खाद की पर्याप्त व्यवस्था की जायेगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने कृषि, सहकारिता व विपणन संघ के अधिकारियों सहित जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि जिले के कृषकों को नई व्यवस्था की जानकारी दें। साथ ही उन्हें ई-टोकन प्रणाली से खाद लेने के लिये प्रोत्साहित करें।

आसान है ई-विकास पोर्टल पर पंजीयन कराना- ई-विकास पोर्टल पर पंजीयन कराना अत्यंत आसान है। इस पोर्टल पर कृषकगण जैसे ही अपना आधार नम्बर दर्ज कराते हैं वैसे ही लिंक मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त होता है। ओटीपी सत्यापित होते ही किसान का ऑनलाइन पंजीयन पूर्ण हो जाता है। पंजीयन के बाद किसान भाई ई-टोकन प्राप्त कर उर्वरक ले सकते हैं। पोर्टल पर किसान की भूमि संबंधी जानकारी एग्री स्टेक सिस्टम से प्राप्त हो जाती है। पोर्टल पर किसान के नाम दर्ज खसरा नम्बर व भूमि का विवरण भी उपलब्ध रहता है।

उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री गोपेश पाठक ने बताया कि ई-टोकन में किसान का नाम, पंजीयन क्रमांक, उर्वरक का प्रकार व मात्रा, वितरण केन्द्र एवं निर्धारित तिथि व समय अंकित रहता है। यह टोकन एसएमएस, मोबाइल एप या वेब पोर्टल के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। ई-टोकन के आधार पर जिले के किसान निर्धारित समय पर किसी भी वितरण केन्द्र से उर्वरक प्राप्त कर रहे हैं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी मो: 9425379389 द्वारा एमआईजी ए-17/1, वेद नगर, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित कर प्रियंका ऑफसेट, 2/10 पिपलीनाका, भैरुगढ रोड, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित, सम्पादक : अभय नरवरिया मो: 9584111186 (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)